राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस समूह

मध्यप्रदेश ■ राजस्थान ■ हरियाणा ■ छत्तीसगढ़ ■ महाराष्ट्र से प्रकाशित

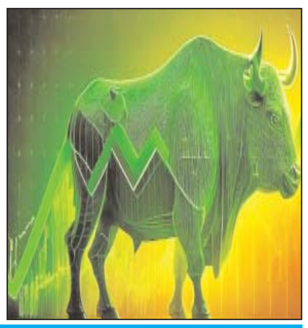

डाक पंजीयन क्रं. 173/15-17 | 5 एनएसई ने कुछ इंडेक्स डेरिवेटिव | सम्पादकीय | महाराष्ट्र में सरकार गठन में देरी से बिगड़ रहा ... | मल्टीबैगर PSU स्टॉक ने दिया 2100 5

वर्ष 11 अंक 275 E-mail: dholpur@hotmail.com जयपुर, रविवार 01 दिसम्बर 2024 ई-पेपर के लिए लॉगऑन करें -www.hindustanexpress.online मूल्य 2.00 रुपया, पृष्ठ 8

महाराष्ट्र में सरकार गठन को लेकर खींचतान जारी, गृह मंत्रालय को लेकर फंसा है पेंच

आर.एन.एस.

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव का रिजल्ट आए 7 दिन बीत चुके हैं। भाजपा, शिवसेना शिंदे और एनसीपी अजित पवार गुट यानी महायुति ने 288 में से 230 सीटें जीतीं, लेकिन अब तक शपथ पर सस्पेंस बना हुआ है। सूत्रों के मुताबिक, एकनाथ शिंदे डिप्टी छ्त्रूका पद लेने को तैयार हैं, लेकिन गृह मंत्रालय पर अड़े हुए हैं। 29 नवंबर को शिंदे दिल्ली में गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात के बाद मुंबई लौटे और सभी कार्यक्रम रद्द कर अपने गांव सातारा निकल गए। गांव में उनकी तबीयत बिगड़ गई है। मुंबई से डॉक्टरों की टीम पहुंची है। इस बीच, भाजपा

विधायक दल की बैठक भी दो दिन आगे बढ़ गई है। सूत्रों के मुताबिक, 1 दिसंबर को होने वाली बैठक अब 3 दिसंबर को होगी। इस दिन दिल्ली से दो ऑब्जर्वर मुंबई आएंगे और विधायकों से चर्चा के बाद आधिकारिक रूप से सीएम फेस अनाउंस करेंगे।

उधर, भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने भास्कर को बताया कि संघ से हरी झंडी मिलने के बाद छ्त्रूपद के लिए देवेंद्र फडणवीस का नाम फाइनल कर दिया गया है। शपथ ग्रहण 5 दिसंबर को दोपहर 1 बजे मुंबई के आजाद मैदान में होगा। शिवसेना और एनसीपी की ओर से एक-एक डिप्टी छ्त्रू भी शपथ लेंगे।

तमिलनाडु : तूफान के चलते भारी बारिश, जन जीवन अस्त व्यस्त

आर.एन.एस.

नई दिल्ली। बंगाल की खाड़ी से उठा फेंगल तूफान शनिवार शाम तक पुडुचेरी के कराईकल और तमिलनाडु के महाबलीपुरम के बीच समुद्र तट से टकराया। जिससे जीवन अस्त व्यस्त हो गया। तमिलनाडु में लैंडफॉल के दौरान 90 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चली। तमिलनाडु और पुडुचेरी के कई इलाकों में बारिश का रेड अलर्ट जारी किया गयौ।

वहीं चेन्नई में भारी बारिश के चलते सड़कों पर पानी भर गया है। एक एटीएम के पास शॉर्ट सर्किट के चलते करंट लगने की वजह से एक शख्स की मौत हो गई।

शहर में कई फ्लाइट्स प्रभावित भी हुई हैं। शाम 7 बजे तक एयरपोर्ट

बंद कर दिया गया है। कई ट्रेनें भी तय समय से लेट चल रही हैं। तमिलनाडु के कांचीपुरम, चेंगलपट्टू, तिरुवल्लूर, कुड्डालोर, विल्लुपुरम, कल्लाकुरिची, चेन्नई और मयिलादुथुराई जिलों और पुडुचेरी में आज स्कूल-कॉलेज बंद रखे गए हैं। इन जिलों में लोगों को भी घर से बाहर न निकलने की सलाह दी गई है। रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए तमिलनाडु में एनडीआरएफ की 7 टीमें तैनात की गई हैं। हर एक टीम में 30 जवान रखे गए हैं।

राहुल गांधी ने अडाणी को लेकर सरकार पर फिर बोला हमला

आर.एन.एस.

वायनाड। प्रियंका गांधी सांसद बनने के बाद आज पहली बार केरल के वायनाड पहुंची। उनके साथ राहुल गांधी भी थे। राहुल ने यहां रैली को संबोधित करते हुए एक बार फिर अडाणी का मुद्दा उठाया। राहुल ने कहा-संविधान कहता है कि सभी लोगों के साथ समान व्यवहार किया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी कहते हैं कि अडाणी के साथ हर दूसरे भारतीय से अलग व्यवहार किया जाएगा। प्रधानमंत्री कहते हैं कि भले अमेरिका में केस चले, भारत में हम उन पर केस दर्ज नहीं करेंगे।राहुल के अलावा प्रियंका ने भी रैली को संबोधित किया। प्रियंका ने मलप्पुरम में भी रैली की। वहां उन्होंनें कहा-पिछले एक हफ्ते से संसद नहीं चल रही है क्योंकि वे (केंद्र सरकार) कुछ मुद्दों पर चर्चा करने से भी डरते हैं। वे इस देश की सारी शक्ति और संसाधन अपने दोस्तों को देते हैं।

केरल के वायनाड लोकसभा उपचुनाव में प्रियंका गांधी को जीत मिली थी। राहुल गांधी के वायनाड सीट छोड़ने पर यहां उपचुनाव हुए थे।

राहुल बोले- संसद में हम सिर्फ एक व्यक्ति नहीं, लाखों लोगों की भावना हैं हम संसद में सिर्फ एक व्यक्ति नहीं हैं, बल्कि उससे भी बढ़कर हम वायनाड के लोगों के दिलों की भावनाओं को वहां रखते हैं। वायनाड के लोगों ने हम पर भरोसा किया है और माना है कि हम भारत की संसद में उनकी भावनाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं। जब मैं वायनाड में किसी बच्चे को देखता हूँ, तो मुझे याद आता है कि उसके माता-पिता ने मुझे लोकसभा में भेजा है, और उनकी देखभाल करना मेरी जिम्मेदारी है। अगर मैं उनके चेहरों पर मुस्कान ला सकता हूँ, तो मुझे तुरंत ऐसा करना चाहिए।राहुल ने कहा- केंद्र में नहीं लेकिन सरकार पर दबाव जरूर बनाएंगे मैं मुंडक्कई और चूरलमाला के पीड़ितों को श्रद्धांजलि देकर अपनी बात शुरू करना चाहूंगा। हम सभी उन लोगों के साथ खड़े हैं जिन्होंने अपने परिवार के सदस्यों, संपत्ति को खो दिया है और जो पीड़ित हैं। जब मैं यहां आ रहा था, तो हम इस बात पर चर्चा कर रहे थे कि हम उन लोगों के लिए क्या कर सकते हैं जो वायनाड लैंडस्लाइड के पीड़ित हैं। दुर्भाग्य से, चूंकि हम सरकार में नहीं हैं, इसलिए हम सत्तारूढ़ सरकार के समान कार्रवाई नहीं कर सकते। इसलिए, कांग्रेस पार्टी और यूडीएफ के प्रत्येक सदस्य को पीड़ितों की मदद के लिए सरकार पर दबाव डालना चाहिए।

खरगोन : बस खाई में गिरी, बच्चे समेत 4 की मौत, 18 यात्री घायल

आर.एन.एस.

खरगोन। खरगोन जिले में शनिवार को यात्री बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खाई में गिर गई। हादसे में तीन महिलाओं और एक बच्चे की मौके पर मौत हो गई। 18 यात्री घायल हुए हैं। हादसा खरगोन जिला मुख्यालय से 42 किलोमीटर दूर बड़वानी जिले से लगे जिरातपुरा फाटे पर हुआ। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव और घायलों को जिला अस्पताल भिजवाया है।

जानकारी के मुताबिक बस खरगोन से दोपहर 12.10 बजे आलीराजपुर के लिए निकली थी। इसमें 25 से 30 यात्री सवार थे। इस दौरान जिरातपुरा फाटे के पास बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खाई में पलटी गई। सूचना के बाद मौके पर सेगांव पुलिस पहुंची और रेस्क्यू शुरू किया। कुछ देर बाद तहसीलदार भी घटनास्थल पर पहुंच गए।

खाई में गिरी बस को 2 जेसीबी की मदद से सीधा कर नीचे फंसे लोगों को बाहर निकाला गया। सभी घायलों को ग्रामीणों की मदद से सेगांव अस्पताल लाया गया। यहां से 11 गंभीर घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया गया है। खरगोन एसपी धर्मराज मीना ने बताया कि बस सेगांव से करीब 500 मीटर आगे मोड़ पर पलटी। बस कंडक्टर को हिरासत में लिया गया है।

बांग्लादेश सरकार मूकदर्शक बनकर सब देख रही, चिन्मय कृष्ण को रिहा करें - आरएसएस

आर.एन.एस.

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर जारी अत्याचार को तत्काल रोकने की मांग की। उन्होंने बांग्लादेश सरकार से मांग की है कि इस्कॉन के चिन्मय कृष्ण दास को रिहा किया जाए।

दत्तात्रेय ने बयान में कहा- बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों पर इस्लामिक कट्टरपंथियों के हमले, हत्या, महिलाओं पर अत्याचार बहुत चिंताजनक है। संघ इसकी निंदा करता है। बांग्लादेश की वर्तमान सरकार और एजेंसियां मूकदर्शक बनी हुई हैं।

उन्होंने कहा- बांग्लादेश के हिंदुओं के खुद की रक्षा के लिए लोकतांत्रिक तरीके से आवाज उठाई। अब उसे भी दबाया जा रहा है। उनके खिलाफ अत्याचार-अन्याय का नया दौर शुरू हो गया है। चिन्मय कृष्ण दास को जेल से निकाला जाए दत्तात्रेय ने कहा कि ऐसे ही शांतिपूर्ण प्रदर्शनों में हिंदुओं का नेतृत्व कर रहे इस्कॉन के संन्यासी

चिन्मय कृष्ण दास को बांग्लादेश सरकार ने जेल भेज दिया। ये अन्याय है। संघ बांग्लादेश सरकार से यह मांग करता है कि चिन्मय कृष्ण दास को जेल से निकाला जाए।

29 नवंबर- पहले भारत सरकार की बांग्लादेश को नसीहत 29 नवंबर को भारत के विदेश मंत्रालय ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार से कहा था कि उसे हिंदुओं और दूसरे अल्पसंख्यकों की सुरक्षा की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। वहां की सरकार ये कहकर जिम्मेदारी से नहीं भाग सकती है कि इस मामले को मीडिया बढ़ा-चढ़ाकर पेश कर कर ही है। साथ ही विदेश मंत्रालय ने चिन्मय प्रभु का निष्पक्ष न्यायिक प्रक्रिया के तहत ट्रायल करने की भी मांग की थी।

वहीं, 29 नवंबर को ही इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्शियसनेस (इस्कॉन) की भारतीय शाखा ने कहा था कि चिन्मय प्रभु संगठन के आधिकारिक सदस्य नहीं थे, लेकिन वे उनके अधिकार और बोलने की आजादी का समर्थन करते हैं। संगठन ने कहा कि हमने खुद को चिन्मय प्रभु से दूरी नहीं बनाई है और न ही ऐसा करेंगे।

नाडियाद में बुजुर्ग को डिजिटल अरेस्ट कर 61 लाख ऐंठे

आर.एन.एस.

नाडियाद। गुजरात में नाडियाद जिले के महिसा गांव का बुजुर्ग दंपती ठग गिरोह का शिकार हो गया। ठग ने दंपती को व्हाट्सएप कॉल किया कि 'मुंबई से छ्त्रक्ष्ढ ऑफिसर बोल रहा हूं, आपके बेटे-बेटी को ड्रग मामले में सुप्रीम कोर्ट के आदेशानुसार गिरफ्तार करना होगा'। इस तरह डराकर उनसे 61 लाख रुपए ऐंठ लिए।

बुजुर्ग दंपती के पास पैसे नहीं थे तो गहने गिरवी रखकर दिए और अन्य गहने बेचकर थोड़ा-थोड़ा करके 61 लाख ऋक्षतरु किए। इसके बावजूद ठग गैंग ने वेरिफिकेशन करने के बहाने और 40 लाख मांगे, तब दंपती ने महुधा पुलिस थाने में मामला दर्ज कराया।

अमेरिका में रहता है बेटा, बेटी ससुराल में महुधा तालुका के महिसा

गांव के मुखी खड़की निवासी 63 वर्षीय वीणा मधुसूदन पटेल के परिवार में पत्नी और बेटा-बेटी हैं। बेटा सपरिवार अमेरिका में रहता है और बेटी ससुराल में है। 9 नवंबर की सुबह वीणा के पति मधुसूदन के मोबाइल पर व्हाट्सएप कॉल आया।

ठग ने अपनी पहचान विनोद शर्मा डीएचएल कूरियर सर्विस बॉम्बे बताई और कहा कि आपके नाम पर मुंबई टु बैजिग चीन का कूरियर है। कूरियर जेट एयर बैज के मालिक नरेंद्र गोयल ने आपके आधार कार्ड और मोबाइल नंबर का इस्तेमाल किया है। इस कूरियर में पासपोर्ट, बैंक दस्तावेज और 400 ग्राम एमडीएमए ड्रग्स हैं। आपने अपने डॉक्यूमेंट से ऐसा कोई कूरियर किया है।

4 दिन व्हाट्सएप कॉल आया इस पर मधुसूदन ने फोन पर कहा कि हमने ऐसा कोई कूरियर नहीं किया है तब सामने वाले ने कहा कि हम पुलिस को सूचित कर रहे हैं। मधुसूदन ने कहा कि आप पुलिस को सूचित करें... इसके बाद 13 नवंबर को मधुसूदन को 2 अज्ञात नंबरों से व्हाट्सएप कॉल आया, जिसमें सामने वालों ने अपनी पहचान प्रकाश अग्रवाल और मुंबई सीबीआई ऑफिसर राजेश प्रधान बताई और कहा कि हम तुम्हें गिरफ्तार करके ले जाएंगे।

वाराणसी कैंट स्टेशन पर आग, 200 गाड़ियां जलीं पार्किंग में डेढ़ घंटे तक बाइक की टंकियां फटती रहीं

आर.एन.एस.

वाराणसी। वाराणसी के कैंट रेलवे स्टेशन की पार्किंग में देर रात भीषण आग लग गई। 200 वाहन जलकर राख हो गए। 90 मिनट तक बाइक की टंकिया फटती रहीं। धमाके की आवाज से रेलवे स्टेशन में भगदड़ मच गई। यात्री इधर-उधर भागने लगे।

सूचना पर फायर ब्रिगेड की 6 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। डेढ़ घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद तड़के 3 बजे आग पर काबू पाया गया। पार्किंग में रात 1:30 बजे लगी। आशंका है कि शॉर्ट सर्किट से हादसा हुआ। रेलवे ने घटना की जांच के लिए टीम बना दी है।9 बजे बाइक में लगी आग, ठीक से बुझाई नहीं कैंट रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या एक के बाहर दोपहिया वाहनों की पार्किंग है। शुक्रवार को इसमें 200 से अधिक बाइक खड़ी थी। रात 9 बजे एक बाइक में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। बाइक जलने लगी तो पार्किंग संचालक और आसपास के लोगों ने तुरंत पानी डालकर आग बुझा दी।

जिस बाइक में आग लगी थी

उसका सीट कवर रात 1.30 बजे फिर सुलग उठा। पार्किंग संचालक सो रहा था। आग ने धीरे-धीरे विकराल रूप ले लिया। तेज आवाज के साथ बाइकों की टंकियां फटने लगीं तो हड़कंप मच गया। पार्किंग संचालक ने पुलिस कंट्रोल रूम समेत जीआरपी-आरपीएफ को फोन किया और आग बुझाने में जुट गया। रेलवे स्टेशन पर भगदड़ जैसे हालात, यात्री बाहर आए लपटें उठती देख यात्री दौड़कर पहुंचे। आग इतनी विकराल थी कि कोई भी आगे जाने की हिम्मत नहीं जुटा सका। देखते ही देखते करीब 200 बाइक जलने लगी और तेज धमाके साथ आग और धुएं का गुबार स्टेशन पर छा गया। रात करीब दो बजे दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। इस बार सभी बाइक को अलग-अलग चेक करके आग बुझाई गई। पेट्रोल होने के चलते आग बुझाने में फायर बिग्रेड को काफी दिक्कत हुई। रात 3 बजे तक दमकल टीम ने रेस्क्यू पूरा किया। बताया गया कि वाहन पार्किंग की क्षमता करीब 400 की है और उस समय 300 बाइक पार्किंग में थीं। कुछ बाइकें चपेट में आने से बच गईं लेकिन 200 से अधिक बाइक पूरी तरह जलकर राख हो गई।

संभल हिंसा अखिलेश मारे गए लोगों को 5-5 लाख देंगे

आर.एन.एस.

संभल। संभल में हुई हिंसा में मारे गए लोगों के परिवार वालों को समाजवादी पार्टी 5-5 लाख रुपए देगी। इसे लेकर सपा ने X पर पोस्ट भी किया। मुरादाबाद से सपा सांसद रुचि वीरा ने कहा- हमारी यूपी सरकार से मांग है कि हिंसा में मारे गए लोगों के परिजनों को एक-एक करोड़ रुपए दे।

दरअसल, संभल हिंसा का 7वां दिन है। वहां के हालात धीरे-धीरे सामान्य हो रहे, लेकिन लखनऊ में सियासी सरगर्मी बढ़ गई है। शुक्रवार रात सपा ने एक डेलिगेशन संभल भेजने का ऐलान कर दिया। डेलिगेशन में माता प्रसाद पांडेय समेत 5 सांसद और 4 विधायक शामिल थे।

इसके तुरंत बाद देर रात को संभल में डीएम ने धारा-163 लागू कर दी है। यानी, अब 5 लोग बिना अनुमति के इकट्ठा नहीं हो सकेंगे। नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय के घर के बाहर फोर्स तैनात कर दी गई। सपा प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल को नजरबंद किया गया।

मुरादाबाद में सपा विधायक पिंकी यादव समेत 10 नेताओं को हिरासत में ले लिया गया। बरेली में 100 से ज्यादा सपा कार्यकर्ताओं को पकड़ लिया गया।

शिमला की संजौली मस्जिद की 3 मंजिलें गिरानी होंगी, डिस्ट्रिक कोर्ट ने 20 दिन की मोहलत दी

शिमला। शिमला स्थित संजौली मस्जिद की 3 अवैध मंजिलों को 20 दिन के अंदर गिराने का आदेश डिस्ट्रिक कोर्ट ने दिया है। शनिवार को कोर्ट ने ऑल हिमाचल मुस्लिम वेलफेयर एसोसिएशन की अर्जी को खारिज दिया, जिसमें नगर निगम कमिश्नर के आदेश को चुनौती दी गई थी।

एडिशनल डिस्ट्रिक्ट एंड सेशन जज प्रवीण गर्ग ने नगर निगम कमिश्नर के फैसले को सही ठराया। अब 20 दिसंबर तक मस्जिद की 3 मंजिलों को हटाना होगा। मस्जिद कमेटी अपने खर्चे पर तीनों मंजिल तुड़वाने का काम करेगी। हालांकि मस्जिद कमेटी अब तक छत और एक मंजिल की दीवारें हटा चुकी है। नगर निगम कमिश्नर ने 5 अक्टूबर को संजौली मस्जिद की अवैध रूप से बनी 3 मंजिलों को तोड़ने के आदेश दिए थे। इसके खिलाफ मुस्लिम पक्ष ने कोर्ट में दलील दी थी कि मोहम्मद लतीफ नाम का व्यक्ति ने मस्जिद गिराने की सहमति दी है, वह इसके लिए अधिकृत नहीं था। इस पर कोर्ट ने वक्फ बोर्ड से मोहम्मद लतीफ को लेकर जवाब मांगा। वक्फ बोर्ड ने पिछली सुनवाई में साल 2006 का एक दस्तावेज दिया, जिसमें मोहम्मद लतीफ को संजौली मस्जिद कमेटी का अध्यक्ष बनाने की बात कही गई थी।

कश्मीर में -3.4 डिग्री हिमाचल में 3 दिन बर्फबारी का अलर्ट

जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में बर्फबारी के कारण देश के उत्तरी राज्यों में ठंड का असर बरकरार है। उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, बिहार, पंजाब और हरियाणा में घने कोहरे का भी अलर्ट जारी किया गया है।

हिमाचल प्रदेश के पांच जिले किन्नौर, कुल्लू, लाहौल स्पीति, कांगड़ा और चंबा में 3 दिन तक बर्फबारी का अलर्ट है। इन जिलों में न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज हो सकती है।

उधर, कश्मीर में ठंड लगातार बढ़ जा रही है। पहलगाम में रात का तापमान माइनस 3.4 डिग्री तक पहुंच गया है। श्रीनगर में तापमान माइनस 1 डिग्री रिकॉर्ड किया गया।

उत्तरी राज्यों में बर्फबारी के कारण ठंडी हवाओं से मध्य प्रदेश में भी तापमान गिर रहा है। भोपाल में नवंबर का महीना 36 साल में सबसे ज्यादा ठंडा रहा।

सीरिया के दूसरे सबसे बड़े शहर पर विद्रोहियों का कब्जा, 250 की मौत

आर.एन.एस.

दमिश्क। सीरिया में विद्रोही गुट ने देश के दूसरे सबसे बड़े शहर अलेप्पो और इदलिब के आधे से ज्यादा इलाके पर कब्जा कर लिया है। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक विद्रोही गुट में हयात तहरीर अल-शम और उसके सहयोगी संगठन शामिल हैं। इन्हें अलकायदा का समर्थन हासिल है। साल 2016 में सीरियाई सेना ने विद्रोहियों को खदेड़ दिया था।

8 साल बाद ऐसा फिर हो रहा है जब विद्रोही गुटों ने अलेप्पो पर कब्जा करने जा रहे हैं। एचटीएस ने 27 नवंबर को हमला किया था और शहर के अंदर घुस कर कई मिलिट्री ठिकानों पर कब्जा कर लिया था। सीरिया सरकार ने शनिवार को अलेप्पो एयरपोर्ट, हॉस्पिटल और शहर से जुड़ी सभी सड़कों को बंद कर दिया है। इस बीच रूस, सीरियाई सरकार की मदद में जुट गया है। मॉस्को टाइम्स के मुताबिक रूसी सेना ने शुक्रवार को विद्रोहियों और उनके हथियार गोदामों पर घातक बमबारी की। रूसी सेना ने दावा किया है कि पिछले 24 घंटे में विद्रोहियों के 23 ठिकानों पर हमला किया और 200 से ज्यादा विद्रोहियों को मार गिराया है। सीरिया में 3 दिन पहले विद्रोहियों का शुरू हुआ हमला बशर अल-असद सरकार के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया है। अब तक हुई झड़पों में दोनों तरफ के 250 से ज्यादा लोग मारे गए

किरण स्कूल गोविंदपुरा के छात्र ने जीता कराटे में गोल्ड मैडल

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। कालवाड़ रोड़ गोविंदपुरा स्थित किरण बाल भारती सी सै स्कूल के छात्र ने कराटे प्रतियोगिता में जीता गोल्ड मैडल। संस्था प्रबन्ध निदेशक डॉ कर्मवीर सिंह बेनीवाल ने बताया कि विद्यालय के छात्र भविष्य सैनी कक्षा 11 ने माउंट आबू में 24 व 25 नवम्बर को आयोजित कराटे प्रतियोगिता में 84 किग्रा में प्रथम स्थान प्राप्त कर गोल्ड मैडल जीता। गोल्ड मैडल जीतने पर छात्र का स्वागत किया गया तथा शुभकामना दी गई।

दिव्यांगों के विशेष कार्यों और दिव्यांगों के लिए काम करने वालो को जयपुर में किया जाएगा सम्मानित

विश्व दिव्यांग दिवस पर 3 दिसंबर को भारतीय दिव्यांग संघ करेगा राष्ट्रीय कार्यक्रम का आयोजन

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। विश्व दिव्यांग दिवस पर जवाहर कला केन्द्र के रंगायन में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। ऐसे में भारतीय दिव्यांग संघ के राष्ट्रीय कार्यक्रम में 3 दिसंबर को पूरे प्रदेश और राष्ट्र के कुछ हिस्सों से दिव्यांग कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे।

इस दौरान दिव्यांग अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे। इसके लिए कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी होगी ।

21 विशेष लोगों को किया जाएगा सम्मानित

कार्यक्रम संयोजक राष्ट्रीय महिला संरक्षक मंडल की चेयरपर्सन समीक्षा जैन ने बताया कि दिव्यांगों के द्वारा किए गए अभूतपूर्व कार्यों के लिए 10 दिव्यांग भाइयों को दिव्यांग गौरव सम्मान और सामान्य व्यक्तियों के द्वारा दिव्यांगों के क्षेत्र में किए गए कार्यों के लिए दिव्यांग ज्योति से 10 व्यक्तियों को पुरस्कृत किया जाएगा। भारतीय दिव्यांश संघ अध्यक्ष गोविंद नारायण ने बताया दिव्यांगों के लिए कार्य करने पर सर्वोच्च पुरस्कार भारतीय दिव्यांग संघ र% ऐसे दिव्यांग को दिया जाएगा जिसने कोई विशेष कार्य किया हो। जिससे अन्य दिव्यांगों को प्रेरणा मिलती हो।

भारतीय दिव्यांश संघ अध्यक्ष गोविंद नारायण ने बताया कि पोस्टर विमोचन पर पर्यावरण वन व जलवायु परिषद संवर्धन परिषद राहुल द्विवेदी, मंदिर एवं देवताओं की प्रतिमा निर्माण विशेषज्ञ आचार्या हिमानी जोली , भारतीय दिव्यांग संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोविंद नारायण भार्गव ,महिला अध्यक्ष समीक्षा जैन, आचार्य अनुपम जोली और कुलदीप शर्मा सहित कई पदाधिकारी उपस्थित रहे।

वर्ल्ड एड्स डे पर 1 दिसंबर को आयोजन

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने किया वॉक-ए-थॉन के पोस्टर का विमोचन

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने आज जयपुर के एनजीओ 'रेज़ आशा की एक किरण' द्वारा 1 दिसम्बर को वर्ल्ड एड्स डे के अवसर पर आयोजित होने वाले वॉक-ए-थॉन के पोस्टर का विमोचन किया। साथ ही कार्यक्रम की सफलता के लिए शुभकामनाएं दी। जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से यह कार्यक्रम जेएलएन सर्किल पर सुबह 7.30 बजे से आयोजित होगा। इस अवसर पर रेज एनजीओ की ओर से गुरिन्दर विर्क, रश्मि कुच्छल, रितु पारीक और केजी पारीक उपस्थित रहे।

एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। राजकीय कन्या महाविद्यालय, किशनपोल, जयपुर में को महिला प्रकोष्ठ एवं महिला नीति विभाग तथाएन एस एस के संयुक्त तत्वावधान में राज्य महिला नीति की अनुपालना में, प्राचार्य डॉ. खामोश मीणा की अध्यक्षता में आत्मरक्षा प्रशिक्षण की एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।. निर्भया प्रकोष्ठ की टीम के सदस्यों ममता यादव, शीला, सुनीता एवं अर्चना द्वारा छात्राओं को आत्मरक्षा के अनेक तरीकों के बारे में जानकारी प्रदान करते हुए साइबर अपराधों, डिजिटल अरेस्ट, सोशल मीडिया पर आत्म रक्षा के तरीकों एवं सचेत रहने की बात बताई ।. उन्होंने कहा कि आत्मरक्षा के लिये आक्रांता को नियंत्रित करने का सर्वश्रेष्ठ उपाय बचाव एवं आक्रमण को निष्फल करना है।. प्राचार्य डॉ. खामोश मीणा ने छात्राओं को दिये अपने संबोधन में छात्राओं हेतु आत्मरक्षा की तकनीकों को सीखने एवं सजग रहकर सोशल मीडिया के प्रयोग की बात कही।. महिला प्रकोष्ठ की प्रभारी डॉ. सुषमा पाण्डेय ने छात्राओं को आत्मरक्षा संबंधी वैधानिक अधिकारों एवं गरिमा हैल्पलाइन एवं 24म7 हैल्पलाइन नंबरों की जानकारी प्रदान की। डॉ. सीमा पारीक ने कार्यक्रम का संचालन किया । एन. एस. एस प्रभारी डॉ. अर्चना वर्मा ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया । इस कार्यक्रम में महिला प्रकोष्ठ के सदस्य एवं संकाय सदस्य उपस्थित रहे।

देश में पहली बार इंटीग्रेटेड पेस्ट मैनेजमेंट क्वालिटी के श्याम मसाले

स्वाद, शुद्धता और सेहत पहला लक्ष्य- अग्रवाल

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। श्याम मसाले देश में पहली बार पेस्टीसाइड एवं रसायनिक खादों के कारण आने वाली स्वास्थ्य संबंधी गड़बड़ियों से मुक्ति दिलाने के लिए आईपीएम (इंटीग्रेटेड पेस्ट मैनेजमेंट) के अनुरूप गुणावत्तायुक्त मसालों का उत्पादन प्रारंभ किया है। कम्पनी के प्रबंध निदेशक रामावतार अग्रवाल ने संवाददाताओं को बताया कि पिछले दिनों खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा जांच अभियान चलाकर मसालों में गुणवत्ता की कमी बताकर सैंपल लिए गए थे। जिसके कारण मसाला उद्योग पर बुरा प्रभाव पड़ा था। श्याम मसाले के प्रबंध निदेशक रामावतार अग्रवाल ने आईपीएम के बारे में बताया कि किसी फसल में पेस्टीसाइड एवं रसायनिक खादों का उपयोग निर्धारित मात्रा में उसके मानक स्तर के अनुरूप किया जाता है, ऐसे उत्पाद आईपीएम क्वालिटी में आते हैं। अग्रवाल ने कहा कि आईपीएम के फायदे स्वास्थ्य को कोई नुकसान नहीं है,आपका भोजन शुद्ध एवं स्वादिष्ट होगा और प्राकृतिक संतुलन एवं पर्यावरण शुद्ध बना रहता है। एमडी अग्रवाल का कहना है कि देश में दो प्रकार की खेती की जानकारी किसानों को थी, एक सामान्य और एक जैविक खेती लेकिन खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा मसालों में मानक स्तर से अधिक पेस्टीसाइड होना बताया गया है। इसका संज्ञान लेते हुए श्यामधणी द्वारा विशेष अनुसंधान किया गया और पता लगाया कि कौनसे क्षेत्र में किस फसल में पेस्टीसाइड की मात्रा मानक स्तर से ज्यादा आ रही है और जिस भी उत्पाद में खाद्य सुरक्षा विभाग के मानक स्तर के अधिक पेस्टीसाइड की मात्रा आ रही थी, इसके लिए श्याम मसाला देश का पहला आईपीएम क्वालिटी में लांच किया, आईपीएम क्लवालिटी में पेस्टीसाइड एवं रसायनिक खादों का उपयोग निर्धारित मात्रा में मानक स्तर के अनुरूप किया जाता है, जो स्वास्थ्य के लिए शत-प्रतिशत शुद्ध होता है और प्राकृतिक संतुलन एवं पर्यावरण शुद्ध बना रहता है। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष भारतीय उद्योग व्यापार मंडल एवं चेयरमैन राजस्थान खाद्य पदार्थ व्यापार संघ के बाबूलाल गुप्ता ने बताया कि इस विषय में हमने सरकार और खाद्य सुरक्षा विभाग मेंअपनी बात रखी है। इस अवसर पर श्याम मसाले के निदेशक विट्ठल अग्रवाल ने बताया कि हम आमजन की सेहत के लिए उच्च मानकों को अपनाते रहे हैं और उसी बात को ध्यान में रखते हुए आईपीएम क्वालिटी के उत्पादन बाजार में उतारे हैं। अन्त में श्याम मसाले के जेडबीएम प्रदीप पारीक ने कंपनी और उसके उत्पादन के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की।

केम्ब्रिरज कोर्ट हाईस्कूल का वार्षिकोत्सव

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

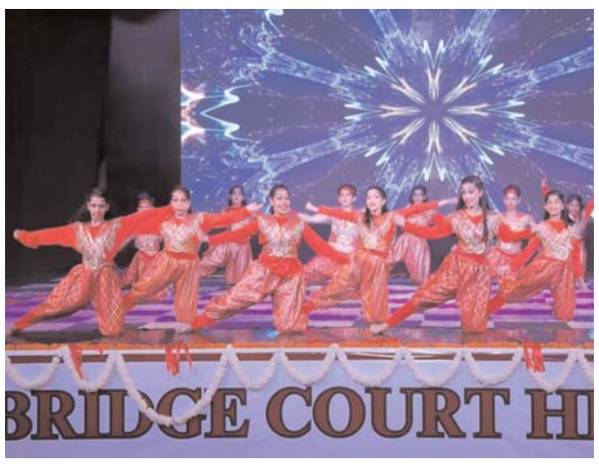

जयपुर। केम्ब्रिरज कोर्ट हाईस्कूल मानसरोवर, जयपुर का वार्षिकोत्सव अखंडमंडलाकारम् और चतुरंगम का भव्य आयोजन बिड़ला सभागार में आयोजित किया गया। विद्यालय के चेयरपर्सन कैप्टन आर.एस. रावत और मेंटर श्रीमती लता रावत के निर्देशन में यह आयोजन अत्यंत प्रभावशाली रहा। कार्यक्रम का आयोजन दो भागों में किया गया। प्रथम भाग में कक्षा 2-4 के विद्यार्थियों ने अपनी प्रस्तुति दी, जिसका शीर्षक था 'अखंडमंडलाकारम्'। नन्हें कॅब्रिरजियन्स ने पूरे जोश औरउत्साह के साथ सभी को धार्मिक वातावरण से सराबोर किया। नौनिहालों की प्रभावशाली प्रस्तुति देखकर सभी दर्शक भाव विभोर हुए। दूसरे कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्जवलन और पूर्ण उत्साह के साथ हुई, जिसका शीर्षक था 'चतुरंगम्'-माइंडस् एंड मूव्स'। विद्यालय की मेंटर श्रीमती लता रावत ने उद्घाटन भाषण में कहा कि शतरंज जैसे विषय पर आधारित यह वार्षिकोत्सव छात्रों के लिए शिक्षा और मनोरंजन का एक अद्वितीय संगम है। शतरंग के विभिन्न मोहरों जैसे राजा, रानी, हाथी और प्यादे की भूमिका को दर्शाते हुए छात्रों ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुतियां दी। चतुरंगम-माइंडस् एंड मूव्य शीर्षक से एक प्रेरणादायक नाटक प्रस्तुत किया गया, जिसमें यह संदेश दिया गया कि नन्हें प्यादों के समान छोटी से छोटी वस्तु और छोटे से छोटे लोगों का भी जीवन में बड़ा महत्व होता है। कार्यक्रम में उपस्थित अभिभावकों और विशेष अतिथियों ने छात्रों की मेहनत और शिक्षकों के मार्गदर्शन की सराहना की। विद्यालय के चेयरपर्सन आर.एस. रावत ने कहा कि शतरंज जैसे गहन विषय पर आधारित यह कार्यक्रम न केवल मनोरंजक है बल्कि यह छात्रों को जीवन में संतुलन और रणनीति की महत्ता समझाने का उत्तम प्रयास है। कॅब्रिरज कोर्ट हाईस्कूल का यह वार्षिकोत्सव सभी के लिए प्रेरणादायक और आनंददायक अनुभव रहा। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से साथ हुआ।

दिल्ली कोर्ट द्वारा नियुक्त कमिश्नर एवं उनके सहयोगी वकीलों से हुई मारपीट

डुप्लीकेट कपड़ा बेचने वाले व्यापारियों की दुकानों पर कॉपीराइट की जांच के दौरान हुई घटना

सीकर हाउस व्यापार मंडल अध्यक्ष मदन चौधरी द्वारा महिला वकीलों से की गई मारपीट

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

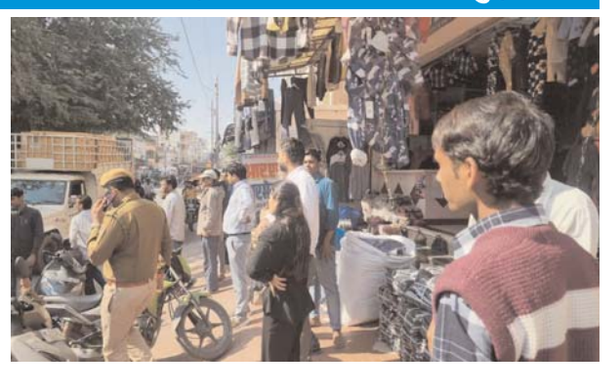

जयपुर । जयपुर में शास्त्री नगर थाना इलाके में स्थित सीकर हाउस क्षेत्र में गुरुवार को डुप्लीकेट कपड़ा बेचने वाले व्यापारियों की दुकानों पर कॉपीराइट की जांच करने आई दिल्ली कोर्ट द्वारा नियुक्त कमिश्नर रिटायर डिस्ट्रिक्ट जज एवं उनके सहयोगी वकीलों की टीम से मारपीट करने का मामला सामने आया है। दो थाना क्षेत्र में इस मारपीट मामले को लेकर कार्यवाही की गई।दिल्ली कोर्ट द्वारा कॉपीराइट हनन के एक मामले में नियुक्त कमिश्नर सेवानिवृत्त डिस्ट्रिक्ट जज सुनील राणा अपने अधिवक्ता साथियों सहित शास्त्री नगर थाना इलाके में स्थित सीकर हाउस क्षेत्र में पहुंचे थे इसी दौरान व्यापारियों ने टीम का विरोध कर दिया और टीम के सदस्यों से गालीगलौच करते हुए मारपीट शुरू कर दी।सीकर हाउस व्यापार मंडल अध्यक्ष मदन चौधरी व उनके सहयोगियों ने दिल्ली से आई टीम में शामिल महिला वकीलों को भी नहीं बख्शा।महिला वकीलों के कपडे तक फाड़ दिए गये और उन्हें लात घूंसों से बुरी तरह पीटा गया।व्यापार मंडल अध्यक्ष मदन चौधरी ने महिला वकीलों में से एक के सर पर डंडा तक दे मारा।वहीं इस मामले पर व्यापारीयों ने वकील टीम सहयोगियों पर आरोप लगाया की उन्होंने एक व्यापारी को थप्पड़ मार दिया जिससे अन्य व्यापारी मौके पर एकत्र होकर विरोध कर रहे थे। इस घटना के बाद पुलिस विरोध कर रहे व्यापारियों को पकड़कर थाने ले गई।तब अन्य व्यापारी थाने के बाहर भी जमा हो गये।पुलिस द्वारा इस मामले में नामजद एफआइआर में शामिल व्यापार मंडल अध्यक्ष मदन चौधरी सहित 5 व्यापारियों को शांतिभंग करने के मामले में गिरफ्तार किया जबकि अन्य 2 लोगों को राजकार्य में बाधा पहुंचाने व मारपीट करने के मामले में गिरफ्तार किया गया है।शास्त्री नगर पुलिस ने इस मामले में 5 नामजद लोगों पर एक समान धाराओं बीएनएस 121 (1) , 132 , 74 एवं 115(2) , 126(2) व 324(2) और 351(2) में एफआइआर दर्ज की लेकिन सिर्फ 2 लोगों को कोर्ट में पेश किया बाकी 5 लोगों को थाने से ही जमानत पर रिहा कर दिया गया।पुलिस की इस दोहरी कार्यवाहीं को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म है।आखिर कैसे एक ही एफआइआर में शामिल 5 लोग शांति भंग और 2 लोग गंभीर धाराओं में गिरफ्तार।पुलिस के इस चमत्कार को देखकर हर कोई हैरान है।कॉपीराइट एक्ट की कार्रवाई करने पहुंची टीम को पीटने वाले व्यापार मंडल अध्यक्ष पर पुलिस की मेहरबानी की वजह क्या है यह जयपुर पुलिस के आलाधिकारियों के लिए जांच का विषय है।

अर्डेंट इंश्योरेंस कंसल्टेंसी ने की एनुअल रिव्यु और फाइनेंसियल ईयर प्लानिंग मीटिंग

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। भारत की सबसे गतिशील, हेल्थ इंश्योरेंस कंसल्टेंसी कंपनी ने आज अपनी एनुअल रिव्यु और फाइनेंसियल ईयर प्लानिंग का आयोजन किया। इस दौरान उन्होंने अपने शानदार अचीवमेंट्स और फ्यूचर प्लानिंग पर गहन चर्चा भी की। कंपनी के ष्टश्वह्र हिम्मत सिंह ने बताया कि यह फाइनेंसियल ईयर हमारे लिए बेहद सफल रहा, जिसमें हमने 7 करोड़ रुपये का नया रिटेल प्रीमियम हासिल किया। उन्होंने इस सफलता के लिए पूरी टीम को बधाई भी दी। अनुप्रा शर्मा ने बताया कि इस फाइनेंसियल ईयर में कंपनी में 15 एनुअल क्लब सदस्य बनाए, जो कि एक शानदार उपलब्धि है। वहीं हर्षित गौर ने बताया कि व्यक्तिगत रूप से 3 करोड़ रुपये का प्रीमियम हासिल कर हमने पूरे देश में शीर्ष प्रदर्शन किया। अंशुल शर्मा और गिरधारी लाल ने डायरेक्टर क्लब में स्थान प्राप्त किये और यूरोप ट्रिप भी जीता। टीम के अन्य प्रमुख सदस्यों में कोमल सोनी, सीमा टोडवाल, सुनीता गुप्ता, आरती दीक्षित, सचिन कश्यप, सरिता शर्मा, हृदय शर्मा, नवराज जैन, राकेश जैन, गिरिराज शर्मा, कपिल जैमन, और जालिम सिंह शामिल थे जिन्होंने उत्कृष्ट योगदान दिया।

अगले वित्तीय वर्ष का लक्ष्य: टीम अगले वर्ष 10 करोड़ रुपये का रिटेल प्रीमियम हासिल करने की योजना अर्डेंट इंश्योरेंस कंसल्टेंसी अपनी केयर हेल्थ इंश्योरेंस के साथ तीन वर्षों की सफल साझेदारी पूरी करेगा। हिम्मत सिंह ने इसकी सफलता का श्रेय केयर हेल्थ इंश्योरेंस के मैनेजमेंट टीम - राहुल पचोरी, प्रेम शर्मा, और नितिन हुरकट को दिया।

भविष्य की रणनीति

अगले वर्ष 5-6 नए लीडर्स को जोड़ने और उन्हें प्रशिक्षित करने का लक्ष्य। आईआईएम ट्रेनिंग एकेडमी के साथ साझेदारी - नए और मौजूदा टीम मेंबर्स को इंडस्ट्री के अनुसार ट्रेनिंग दी जाएगी। एक नई कानूनी टीम बनाई जाएगी, जो न केवल हमारे डायरेक्ट क्लाइंट्स बल्कि अन्य क्लाइंट्स को भी क्लेम सर्विस में सहायता प्रदान करेगी ।

जयपुर में फिजिकली डिसेबल्ड चैलेंजर्स ट्रॉफी 2024 की धमाकेदार शुरूआत हुई

टीम इंडिया-सी ने फिजिकली डिसेबल्ड चैलेंजर्स ट्रॉफी 2024 में अपनी पहली जीत दर्ज की

जयपुर । राजस्थान डिसेबल्ड क्रिकेट एसोसिएशन (आरडीसीए), पैट्रोलियम स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के सहयोग से जयपुरिया क्रिकेट अकादमी में फिजिकली डिसेबल्ड चैलेंजर्स ट्रॉफी 2024 आयोजित की जा रही है। 3 दिसंबर तक चलने वाले इस 4 दिवसीय टूर्नामेंट में देशभर के 56 शीर्ष दिव्यांग खिलाड़ी हिस्सा ले रहे है, जो 20 सदस्यीय इंडियन नेशनल फिजिकली डिसेबल्ड क्रिकेट टीम में जगह बनाने के लिए लड़ेंगे। उद्घाटन मैच के दौरान श्री अविनाश सिंह गहलोत, मिनिस्टर, सोशल जस्टिस और एम्पावरमेंट, राजस्थान सरकार ने कहा, ÷फ़िजिकली डिसेबल्ड चैलेंजर्स ट्रॉफी 2024 हमारे विकलांग क्रिकेटर्स के लिए मार्ग प्रशस्त करेगा जो जनवरी 2025 में श्रीलंका में होने वाले आगामी अंतर्राष्ट्रीय फिज़िकली क्रिकेट टूर्नामेंट में खेलने जा रहे हैं। यह टूर्नामेंट प्रतिभा, दृढ़ संकल्प और खेल भावना का एक रोमांचक प्रदर्शन होने वाला है। मैं इनके जोश और जज़्बे को सलाम करता हूँ और इन्हें इस टूर्नामेंट तथा भविष्य के लिए बहुत बहुत बधाइयाँ देता हूँ। फिजिकली डिसेबल्ड चैलेंजर्स ट्रॉफी 2024 के पहले दिन की पहली पारी में इंडिया-सी ने इंडिया-बी को 4 विकेट्स से हराकर अपनी पहली जीत हासिल की। यह मैच दोनों टीमों के गेंदबाजों द्वारा अच्छी तरह से नियंत्रित किया गया, लेकिन अंत में इंडिया सी की टीम ने अपने प्रतिद्वंद्वी को पछाड़ दिया। टॉस जीतने के बाद, इंडिया-सी ने पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। पहले इनिंग्स में बल्लेबाजी के लिए इंडिया-बी के कप्तान कुणाल फांसे और दीपेन्द्र सिंह ने टीम के लिए पारी की शुरुआत की। उन्हें जल्दी ही एक झटका लगा जब दीपेन्द्र सिंह (13 रन) को निखिल मनहास ने केवल 50 के स्कोर पर आउट कर दिया। शानमुगम अपना खाता खोले बिना पैवेलियन लौट गये। पारी के अंत में, कप्तान कुणाल फांसे ने 60 गेंदों पर 82 रन बनाए और करन चाकोटे ने 33 गेंदों पर 42 रन बनाये, जिससे उनकी टीम 20 ओवर में 157/3 का कुल स्कोर खड़ा कर सकी।

उत्तर पश्चिम रेलवे पर पहली बार 12 मीटर चौड़े फुट ओवर ब्रिज के लिए सिंगल स्पैन में गर्डर लांचिंग की गई

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। राजगढ़ स्टेशन पर अमृत स्टेशन योजना के अंतर्गत किए जा रहे कार्य में मात्र 2 घंटे 45 मिनट में गर्डर लॉन्चिंग का कार्य किया गया उत्तर पश्चिम रेलवे पर 77 स्टेशनों का पुनर्विकास कार्य प्रगति पर है। स्टेशनों पर बेहतर में उन्नत यात्री सुविधा प्रदान करने के लिए रेलवे द्वारा विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण के अनुसार अमृत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकास कार्य में जयपुर मंडल के राजगढ़ स्टेशन पर महाप्रबंधक श्री अमिताभ एवं इंजीनियरिंग विभाग के अधिकारियों के दिशानिर्देश में 12 मीटर चौड़ाई वाले फुट ओवर ब्रिज निर्माण में स्पैन लॉन्चिंग का कार्य सफलतापूर्वक पूरा किया गया है। उल्लेखनीय है कि उत्तर पश्चिम रेलवे पर पहली बार 12 मीटर चौड़ाई वाले वाले सिंगल स्पैन गर्डर की लांचिंग की गई है। इसमें कुल लंबाई 36.48 मीटर के 11 गर्डर (5 पेयर + 1 सिंगल) का उपयोग किया गया है। इंजीनियरिंग विभाग द्वारा गर्डर लॉन्चिंग का कार्य दिनांक 26.11.24 व 27.11.24 को प्रतिदिन उपलब्ध मात्र 2 घंटे 45 मिनट के ब्लॉक के दौरान किया गया है। रेलवे द्वारा फुट ओवर ब्रिज से सम्बंधित अन्य कार्यों को लक्ष्य अनुसार पूरा किया जा रहा है।

इस साल चैंपियनशिप में 293 स्कूलों के 11,000 से ज़्यादा एथलीट हिस्सा ले रहे हैं

एसएफए चैंपियनशिप 2024 जयपुर , पहले दिन रोमांचक स्केटिंग शोकेस के साथ शुरू हुई

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। नन्हें-मुन्हों ने खेल में अपने हौसले और दृढ़ता का प्रदर्शन किया, मौक़ा था एसएफए (स्पोर्ट्स फॉर ऑल) चैंपियनशिप 2024 का जयपुर में आरंभ का। शनिवार को पहले दिन स्केटिंग के रोमांचक मैच के साथ शुरुआत हुई। इसमें छात्र-एथलीटों ने पहियों पर अपनी कला का प्रदर्शन किया। इवेंट के पहले दिन सेंट मैरी कॉन्वेंट सेकेंडरी स्कूल के आयुष ने लड़कों के अंडर-11 आयु वर्ग के 1000 मीटर इनलाइन इवेंट में स्वर्ण पदक जीता, इससे पहले कैम्ब्रिज कोर्ट वर्ल्ड स्कूल के हर्ष पुनिया ने अंडर-17 आयु वर्ग के 1000 मीटर इनलाइन में शीर्ष स्थान हासिल किया।

इस साल यह चैंपियनशिप 4 दिसंबर तक चलेगी, जिसमें जयपुर से प्रतिभागी भाग ले रहे हैं और इस दौरान सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं की तलाश की जाएगी। इस साल, 3 से 18 वर्ष की आयु के 293 से अधिक स्कूलों के 11,000 से अधिक एथलीट शहर के कई स्थानों पर प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। इस आयोजन में एथलेटिक्स, बैडमिंटन, फुटबॉल, शतरंज, कैरम, शूटिंग, कबड्डी, तैराकी, खो-खो, बास्केटबॉल, टेबल टेनिस, वॉलीबॉल, स्क्वैश, स्केटिंग और टेनिस सहित कई खेल शामिल होंगे। एसएफए चैंपियनशिप 2024 तीसरे संस्करण के लिए जयपुर में 15 खेलों की एक रोमांचक लाइनअप लेकर आई है। चैंपियनशिप के पहले दिन फुटबॉल और बैडमिंटन के प्रारंभिक मुकाबलों की शुरुआत हुई। स्केटिंग में केंद्रीय विद्यालय के कुशांग ने अंडर 9 आयु वर्ग के 1000 मीटर इनलाइन में जीत हासिल की, और कैम्ब्रिज कोर्ट वर्ल्ड स्कूल के अध्यानश मित्तल ने अंडर-5 आयु वर्ग के 200 मीटर क्वाड्स में दबदबा बनाते हुए स्वर्ण पदक जीता। पहले दिन के स्कोर्स में, कैम्ब्रिज कोर्ट वर्ल्ड स्कूल 3 स्वर्ण, 3 रजत और 1 कांस्य के साथ शीर्ष पर है। उसके बाद जयश्री पेरीवाल हाई स्कूल, चित्रकूट और कैम्ब्रिज कोर्ट हाई स्कूल, मानसरोवर का स्थान है। इसके अलावा, इस साल के आयोजन में एसएफए चैंपियनशिप दो विशेष दिन का उत्सव मनाएगी। 3 दिसंबर को 'शी इस गोल्ड' और 'कोच डे' मनाया जाएगा, जिसमें उनके योगदान का सम्मान और जश्न मनाया जाएगा।

राज्यपाल हरिभाऊ ने एक पेड़ मां के नाम के संदर्भ में हरियाली फैलाने वालों को किया सम्मानित

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि पेड़ पौधोंका संरक्षण करके ही पर्यावरण संरक्षण किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि जहां जहां पेड़ होते हैं, वहां वहां बारिश होती है। इसलिए सभी पेड़ लगाएं ही नहीं, उन्हें पानी देकर बचाएं भी। उन्होंने राजस्थान में अमृता देवी द्वारा खेजड़ली में पेड़ों के लिए दिए बलिदान को याद करते हुए कहा कि जलवायु परिवर्तन के इस संकट भरे समय में वृक्ष ही मनुष्य के विश्वसनीय मित्र हैं। इससे ही जीवन बच सकता है। राज्यपाल शनिवार को कल्पतरू संस्थान द्वारा एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत ग्रीन आईडल अवार्ड समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि धरती को हरा–भरा करने वाले सभी व्यक्ति सम्माननीय हैं। उन्होंने हरितिमा के लिए कार्य करने वालों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित भी किया। उन्होंने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश भर में विश्व का अनूठा ÷एक पेड़ मां के नाम÷ अभियान चलाया है। इसमें सभी भागीदारी निभाए। उन्होंने वेद–पुराणों और प्राचीन ग्रंथों में पेड़ पौधों के महत्व की चर्चा करते हुए कहा कि यह वैज्ञानिक तथ्य है कि पेड़ मिट्टी के क्षरण को रोकते हैं। भूमिगत जल भंडारों का पुनर्भरण करते हैं और टिकाऊ कृषि उत्पादन के लिए भी सदा अनुकूल परिस्थितियां पैदा करते हैं। इसलिए पेड़ लगाने के लिए सभी संकल्पबद्ध हों। उन्होंने राजस्थान के राज्य वृक्ष खेजड़ी को कल्प वृक्ष बताते हुए देशभर में इसके शमी वृक्ष के रूप में पूजने की परम्परा के बारे में भी विस्तार से बताया। महाराष्ट्र के वन मंत्री सुधीर सच्चिदानंद मुनगंटीवार ने इस अवसर पर देश में वन संस्कृति के साथ ÷एक पेड़ मां के नाम÷ अभियान को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि सभी मिलकर पेड़ लगाएं तो पर्यावरण के साथ मनुष्य की आने वालीं पीढ़ियां के लिए यह सौगात होगी। राज्यपाल ने आरंभ में ÷एक पेड़ मां के नाम÷ के अंतर्गत वृक्ष लगाया। उन्होंने ÷ग्रीन कैंपेन फोर बचपन÷ पोस्टर का भी लोकार्पण किया।

प्रदेश के 12 शहरों में तापमान 10 डिग्री से नीचे आया

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। राजस्थान में जल्दी ही ठंड अपना तेवर दिखानी वाली है। तीन दिन बाद जम्मू-कश्मीर और लद्दाख से चलने वाली हवा यहां असर दिखाएगी और पारा तेजी से गिरेगा। इससे प्रदेश के कई शहरों का तापमान 5 डिग्री तक नीचे आ सकता है। उधर, पिछले 24 घंटे में उदयपुर, चित्तौड़गढ़, अलवर, करौली सहित 12 शहरों का न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे आया है। उधर, सीकर में शनिवार को न्यूनतम तापमान में मामूली बढ़ोतरी दर्ज की गई है। शुक्रवार को न्यूनतम तापमान 5 डिग्री था, जो आज 5.3 डिग्री दर्ज किया गया है। है। सुबह हल्की धुंध छाई रही। फतेहपुर (सीकर) में न्यूनतम तापमान 6.2, माउंट आबू (सिरोही) 7.4, बारां 8.8 , चूरू में 8.6, पिलानी (झुंझुनूं) में 9.1, उदयपुर में 9.6, चित्तौड़गढ़ में 9.8, अलवर में 9.6, भीलवाड़ा 9.3, करौली 9.4, हनुमानगढ़ 9.5 और सीकर में 7.5 दर्ज किया गया है। जैसलमेर में शुक्रवार को अधिकतम तापमान गिरकर 31.7 डिग्री सेल्सियस, बाड़मेर 31.8 डिग्री, बीकानेर में 30, जालोर में 30.3 और जोधपुर में 29.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। जयपुर में भी कल अधिकतम तापमान 2.2 डिग्री गिरकर 26 डिग्री, जबकि न्यूनतम तापमान 12.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक- वर्तमान में एक वेस्टर्न डिर्स्टबेंस जम्मू-कश्मीर, लद्दाख के एरिया पर आ गया है। इस सिस्टम के असर से इन राज्यों में रविवार को हल्की बारिश और कहीं-कहीं बर्फबारी होगी। इस सिस्टम के आगे जाने के बाद 3-4 दिसंबर से राज्य में उत्तरी हवा चलनी शुरू होगी। इससे यहां के तापमान में बड़ी गिरावट होगी। तापमान 5 डिग्री सेल्सियस तक आ जाएंगे। इसी के साथ तेज सर्दी की शुरुआत भी हो जाएगी।

सफाई कर्मचारी भर्ती को लेकर हड़ताल जारी

आज महापंचायत में प्रदेशभर में हड़ताल को लेकर होगा फैसला

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। राजस्थान में सफाई कर्मचारी भर्ती को लेकर विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। अनुभव प्रमाण पत्र में शिथिलता देने की मांग को लेकर जहां पिछले 5 दिनों से जयपुर में सफाई कर्मचारियों ने कार्य बहिष्कार कर रखा है। वहीं, रविवार को जयपुर में वाल्मीकि समाज द्वारा महापंचायत का आयोजन किया जा रहा है। इसमें वाल्मीकि समाज की मांग नहीं माने जाने पर प्रदेशभर में सफाई कर्मचारियों के हड़ताल पर जाने का फैसला किया जाएगा। वाल्मीकि समाज विकास संस्थान के अध्यक्ष दीपक डंडोरिया ने कहा- रविवार को जयपुर में प्रदेशभर की सफाई कर्मचारी यूनियन और वाल्मीकि समाज के प्रतिनिधि महापंचायत करेंगे। इसमें राजस्थान सरकार द्वारा वाल्मीकि समाज के साथ किए गए षड्यंत्र के खिलाफ फैसला किया जाएगा। ऐसे में अगर कल तक सरकार ने भर्ती नियमों में संशोधन कर आवेदन की तारीख को आगे नहीं बढ़ाया। प्रदेशभर में न सिर्फ सरकारी बल्कि, प्राइवेट सेक्टर में भी कार्य बहिष्कार कर सफाई कर्मचारी अपने हक की लड़ाई लड़ेंगे। दीपक ने कहा कि राजस्थान सरकार ने सफाई कर्मचारी भर्ती में वाल्मीकि समाज के साथ धोखा किया है। इस धोखे को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। क्योंकि वर्तमान में जो भी शर्तें आवेदन की प्रक्रिया में लागू की गई है। उन्हें सिर्फ धांधली करके ही पूरा किया जा सकता है। ऐसे में महज कुछ लोग ही अब तक आवेदन प्रक्रिया में शामिल हो सके हैं। वाल्मीकि समाज का मूल रूप से सफाई ही कामकाज है। उस समाज के हजारों युवा आवेदन प्रक्रिया में भी शामिल नहीं हो पाए हैं। जो पूरी तरह गलत और निंदनीय है। जयपुर में पिछले 5 दिनों से जारी सफाई कर्मचारियों की हड़ताल के बाद अब अंदरूनी कॉलोनी और गलियों में गंदगी दिखने लगी है। राइजिंग राजस्थान के चलते शहर के प्रमुख इलाकों में नगर निगम द्वारा अतिरिक्त कर्मचारी नियुक्त कर सफाई करवाई जा रही है। सीवरेज और नालों की सफाई जैसे काम फिलहाल पूरी तरह बंद है। इसकी वजह से पांच बत्ती चौराहे स्थित राजमंदिर के बाहर भी सीवरेज का पानी सड़कों पर बह रहा है। निगम प्रशाशन द्वारा कोई सुनवाई नहीं हो रही है।

बाल संसद चुनाव 2024-25 का आयोजन

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बाड़ी। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय उलावतीपुरा में आज बाल संसद चुनाव 2024-25 का आयोजन किया गया, जो कि मैजिक बस इंडिया फाउंडेशन और दा हंस फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में जीवन कौशल प्रशिक्षक संगीता कोली, ज्योति जी एवं सुधा शर्मा, और वंदना कुमारी के सहयोग से 30 नवंबर को बाल संसद चुनाव 2024-25 का आयोजन बड़े ही उत्साह और लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत संपन्न हुआ। इस चुनाव में विद्यालय के विद्यार्थियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और लोकतांत्रिक प्रक्रिया का अनुभव किया। चुनाव में विद्यार्थियों ने विभिन्न पदों के लिए चुनावी प्रचार अभियान चलाया, जिसमें उम्मीदवारों ने अपने विचार, योजनाएँ और दृष्टिकोण प्रस्तुत किए। बच्चों ने अपने पसंदीदा उम्मीदवारों के पक्ष में वोटिंग की और इस चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए सभी नियमों का पालन किया गया। मैजिक बस इंडिया फाउंडेशन और दा हंस फाउंडेशन के प्रतिनिधियों ने बच्चों को लोकतंत्र की महत्वता, चुनाव प्रक्रिया और जिम्मेदार नागरिक बनने के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन बच्चों में नेतृत्व कौशल को बढ़ावा देने के साथ-साथ समाज के प्रति जिम्मेदारी का भी एहसास कराते हैं। विद्यालय के प्रधानाचार्य मानसिंह सिंह जी ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा, ÷यह आयोजन छात्रों को लोकतांत्रिक प्रक्रिया से जोड़ने का एक अच्छा माध्यम है। हमें उम्मीद है कि इस तरह के आयोजनों से बच्चों में समाज के प्रति जिम्मेदारी और नेतृत्व का भाव विकसित होगा।

इस बार संजना कक्षा 9 वी.की छात्रा को विद्यालय के प्रधानमंत्री की शपथ दिलाई गई। बाल संसद के अन्य पदों पर भी योग्य विद्यार्थियों अतुल कक्षा 10वी, कामिनी कक्षा 8 वी प्रिंस कक्षा 7 वी, परिवेंद्र कक्षा 11वी, का चयन हुआ। इस चुनावी आयोजन को सफल बनाने में विद्यालय के शिक्षकों और संस्था के सभी सहयोगियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

जिनमे व्याख्याता मानसिंह, वरिष्ठ अध्यापक प्रहलाद सिंह मीणा, ईश्वरी प्रसाद, रामकुमार, मदन गोपाल, सीमा कुमारी, अध्यापक रमेश चंद्र वंशी लाल, राजेंद्र प्रसाद, वीरेंद्र पाल सिंह, रतन सिंह राजावत, कनिष्ठ सहायक पल्लवी गर्ग, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी अंजली देवी समस्त अध्यापकगण। यह आयोजन बच्चों में राजनीतिक और सामाजिक समझ को बढ़ावा देने के साथ-साथ उन्हें सही निर्णय लेने की क्षमता भी प्रदान करता है।

निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

धौलपुर। माध्यमिक भारतीय आदर्श विद्या मंदिर विद्यालय धूलकोट, धौलपुर मे राजा बेटी राजकीय जिला आयुर्वेद चिकित्सालय धौलपुर व भारत विकास परिषद शाखा धौलपुर के संयुक्त तत्वाधान में निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। वरिष्ठ आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर आकाश कुमार अग्रवाल ने बताया कि चिकित्सालय के प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ प्रज्ञा जी वर्मा जी के मार्गदर्शन में विद्यालय के छात्र-छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। कंपाउंड रणजीत सिंह द्वारा आवश्यकता अनुसार आयुर्वेद औषधियां वितरित की गई। भारतीय शिक्षा समिति उप समिति धौलपुर के अध्यक्ष राजीव झा ने विद्यालय की छात्र संख्या व स्टाफ की कमी पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि यदि रिटायर्ड अध्यापक हफ्ते में 2 घंटे विद्यालय को दे तो स्टाफ की कमी को कुछ हद तक पूरा किया जा सकता है साथ ही इससे छात्र संख्या बढ़ाने में भी मदद मिलेगी। उन्होंने विद्यालय की दो छात्रों को निशुल्क मार्शल आर्ट सीखने की भी व्यवस्था की।

भारत विकास परिषद शाखा धौलपुर के अध्यक्ष प्रणब मुखर्जी ने बेटियों की पढ़ाई पर जोर देते हुए कहा कि समाज के सर्वांगीण विकास के लिए बेटियों का पढ़ना अत्यंत आवश्यक है। अंत में विद्यालय के प्राचार्य ने सभी आगंतुकों को धन्यवाद दिया।

विश्व एड्स दिवस के अवसर पर एड्स जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। एपीजे अब्दुल कलाम राजकीय कन्या महाविद्यालय, गंगापोल, जयपुर में आज विश्व एड्स दिवस की पूर्व संध्या पर एड्स जागरूकता एवं रोकथाम पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. हेमन्त पारीक ने की। उन्होंने छात्राओं को प्रतिरक्षात्मक स्वास्थ्य के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से जानकारी दी और एड्स जैसी गंभीर बीमारी के प्रति सतर्क रहने का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान छात्रों को एड्स जागरूकता का प्रतीक %रेड रिबन% पहनाया गया।

इसके साथ ही, प्रश्नोत्तर सत्र में छात्रों ने एड्स और एचआईवी से संबंधित विषयों पर जागरूकता बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण और प्रासंगिक प्रश्न पूछे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. राजकुमार बैरवा ने किया, और धन्यवाद ज्ञापन का उत्तरदायित्व डॉ. बचन सिंह ने निभाया। महाविद्यालय के प्राध्यापक और छात्र-छात्राएं एड्स और एचआईवी के प्रति जागरूकता बढ़ाने और इसे समाज में फैलाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध नजर आए। यह कार्यक्रम छात्रों को न केवल जागरूक बनाने में सफल रहा, बल्कि उन्होंने एड्स और एचआईवी के प्रति समाज में जागरूकता फैलाने का संकल्प भी लिया।

छात्र-छात्राओं के समूह ने विद्यालय का किया भ्रमण

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बसेड़ी। पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय खिड़ोरा में शनिवार को सहशैक्षिक गतिविधियों के तहत ट्यूनिंग ऑफ स्कूल कार्यक्रम के तहत प्रधानाचार्य ,स्टाफ सदस्य व विद्यार्थियों के समूह ने राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बड़ागांव व राजकीय उच्च प्राथमिक विधालय नारायणपुरा सरमथुरा का भ्रमण किया। विद्यार्थियों के द्वारा वहां की अनुशासन व्यवस्था, कक्षा कक्ष व्यवस्था, व्यवसायक कक्ष ,भौतिक विज्ञान व रसायन विज्ञान प्रयोगशाला, किचन गार्डन, लाइब्रेरी, स्मार्ट क्लास रूम,के बारे में जानकारी प्राप्त की। सिलाई कक्ष में बच्चे अनुभव प्राप्त कर रहे थे और लाइब्रेरी में बैठ कर अध्ययन कर रहे थे। कुछ बच्चे विद्यालय की बाउंड्री वॉल पर चित्रकारी कर रहे थे। प्रधानाचार्य राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बड़ागांव व प्रधानाध्यापक राहुल शर्मा के द्वारा भरपूर सहयोग किया गया तथा उन्होंने विद्यालय के नए प्रयोगों के बारे में जानकारी दी। प्रधानाचार्य के द्वारा स्टाफ और बच्चों के लिए स्वल्पाहार भी कराया गया और मोमेंटो भेट किया गया। भ्रमण के दौरान विद्यालय प्रधानाचार्य कमल सिंह, पीएम श्री प्रभारी रमाकांत शर्मा, रघुवीर सिंह, अशोक रावत, मुकेश चंद, अशोक रोलानिया,रवि एवं विद्यालय के लगभग 25 बच्चे शामिल हुए।

श्री पंडित मिश्रीलाल महाविद्यालय
राजाखेड़ा जिला धौलपुर
वार्ड नं 34 आगरा बस स्टैंड के पास, राजाखेड़ा
संपर्क :- 9414878863, 6395736850

आवश्यकता है :- बी. एड कोर्स हेतु निम्नलिखित स्टाफ की
प्राचार्य, व्याख्याता (संगीत शिक्षण एवं ललित कलां शिक्षण, कलां एवं फाइन आर्ट, शारीरिक शिक्षण, शिक्षा शिक्षण, विज्ञानं शिक्षण, गणित शिक्षण, सामाजिक अध्ययन शिक्षण, भाषा शिक्षण, वाणिज्य शिक्षण)

वेतनमान :- योग्यता, अनुभव, राज्य सरकार N.C.T.E तथा विश्व विद्यालय के नियमानुसार इच्छुक व्यक्ति अपने मूल दस्तावेजो के साथ 07 दिवस में संपर्क करें।

सचिव :- देवेन्द्र सिंह शर्मा

जयपुर : छात्र के अपहरण मामले में तीन अपराधियों को किया गिरफ्तार

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। बजाज नगर थाना पुलिस ने 23 सितम्बर 2024 को हुए छात्र के अपहरण मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने विशेष टीम गठित की और त्वरित कार्रवाई की, जिसके परिणामस्वरूप आरोपियों को पकड़ने में सफलता मिली। घटना के मुताबिक 23 सितम्बर 2024 को एक छात्र का अपहरण करने की घटना सामने आई थी, जिसके बाद थाना बजाज नगर में प्रकरण संख्या 583/2024 दर्ज किया गया। पीड़ित छात्र का अपहरण एक कार में सवार अपराधियों ने किया और उसे जंगल में ले जाकर मारपीट की। अपराधियों ने छात्र से फिरौती के रूप में पैसे भी वसूलने की कोशिश की थी। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व तैजस्वनी गौतम के निर्देशन में और आशाराम चौधरी, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व, तथा आदित्य पुनिया, सहायक पुलिस आयुक्त मालवीय नगर के सुपरविजन में थाना बजाज नगर की टीम ने तेजी से कार्रवाई शुरू की। टीम ने घटना स्थल के सीसीटीवी फुटेज और कार के नंबर की मदद से अपराधियों की पहचान की और उनके संभावित ठिकानों पर दबिश दी। गठित पुलिस टीम ने मुलजिमों - अलकेश मीणा, पियुष मीणा और सौरभ मीणा को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अपराधी ग्राम सेवा, गंगापुर सिटी, ग्राम ककराला, गंगापुर सिटी और निकी गांव, करौली के निवासी हैं। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों से कड़ी पूछताछ की और उन्हें न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। सौरभ मीणा (21 वर्ष), पुत्र लीलाराम मीणा, निवासी ग्राम सेवा, थाना वजीरपुर, जिला गंगापुर सिटी। अलकेश मीणा (24 वर्ष), पुत्र जीतराम मीणा, निवासी ग्राम ककराला, थाना वामनवास, जिला गंगापुर सिटी। पियूष मीणा (20 वर्ष), पुत्र रामसहाय मीणा, निवासी निकी गांव, कावटी, थाना रापोटरा, जिला करौली को गिरफ्तार किया। इस मामले में पुलिस टीम के सदस्य धर्मवीर सिंह एएसआई, धर्मसिंह हैड कानि 1821, रामवतार कानि 11433, सुरेन्द्र कुमार कानि 11486 और भरतलाल कानि 8477 की महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिनकी तत्परता से यह मामले का समाधान हुआ। पुलिस उपायुक्त तैजस्वनी गौतम ने इस कार्रवाई को सराहा और पुलिस टीम के प्रयासों को सराहा। पुलिस ने अन्य आरोपियों की तलाश तेज कर दी है और मामले की आगे की जांच जारी है।

बिना धन नहीं चलती दुनियादारी

एसकेमंगल

जीवन की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए धन जरूरी है क्योंकि पैसा हमें भोजन, पानी, आश्रय, कपड़े, और चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करने में मदद करता है। शिक्षा और व्यक्तिगत विकासः पैसा हमें शिक्षा प्राप्त करने और अपने जीवन में आगे बढ़ने के अवसर प्रदान करता है। आर्थिक सुरक्षाः पैसा हमें आर्थिक सुरक्षा प्रदान करता है, जिससे हम अपने परिवार की जरूरतों को पूरा कर सकते हैं। सामाजिक दर्जा- पैसा हमें सामाजिक दर्जा प्रदान करता है, जिससे हम समाज में अपनी पहचान बना सकते हैं। स्वतंत्रताः पैसा हमें स्वतंत्रता प्रदान करता है, जिससे हम अपने जीवन के निर्णय ले सकते हैं और अपने सपनों को पूरा कर सकते हैं। हालांकि, यह भी महत्वपूर्ण है कि पैसे को जीवन का एकमात्र उद्देश्य न बनाया जाए। जीवन में अन्य महत्वपूर्ण चीजें भी हैं, जैसे कि परिवार, मित्र, स्वास्थ्य, और खुशी। धन आर्थिक पहलू से जुड़ा हुआ है। यहां कुछ महत्वपूर्ण संबंध हैं। पैसा हमारे जीवनस्तर को निर्धारित करता है। अधिक पैसा होने से हम उच्च जीवनस्तर का आनंद ले सकते हैं। शिक्षा और स्वास्थ्यः पैसा हमें अच्छी शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच प्रदान करता है, जो हमारे जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में मदद करते हैं।

सामाजिक प्रतिष्ठाः समाज में, पैसा अक्सर सामाजिक प्रतिष्ठा का प्रतीक माना जाता है। अधिक पैसा वाले लोगों को अक्सर अधिक सम्मान और प्रति है। अंग्रेजी भाषा में एक कहावत है कि यदि चरित्र हो गया तो सब कुछ खो गया।

यदि स्वास्थ्य खो गया तो कुछ खो गया अगर धन गया तो कुछ भी नहीं खोया है। इस युग में धन का महत्व है। धार्मिक ग्रंथों में भले ही धन के प्रति ज्यादा झुकाव नहीं बताया गया है मगर दुनियादारी बिना धन के नहीं चलती है।

एक ऐसी उम्र भी आती है जब धन उपयोगी हो जाता है। उस समय के लिए धन बचा कर रखना चाहिए ताकि उम्र के उस पड़ाव पर किसी के आगे हाथ नहीं फैलाना पड़े।

संपादकीय

महाराष्ट्र में सरकार गठन में देरी से बिगड़ रहा सत्ता का समीकरण

पिछली सरकार में काफी उथल-पुथल बनी रही। तब शिवसेना के साथ मिल कर भाजपा ने चुनाव लड़ा था, मगर चुनाव नतीजों के बाद शिवसेना ने पाला बदल लिया और कांग्रेस तथा राष्ट्रवादी कांग्रेस से हाथ मिला कर महाअघाड़ी की सरकार बना ली थी। गठबंधन में चुनाव जीत कर बहुमत हासिल करने पर अक्सर मुख्यमंत्री पद को लेकर असमंजस की स्थिति बन जाती है। फिर, गठबंधन धर्म का निर्वाह और सहयोगी दलों के साथ सौहार्दपूर्ण समीकरण बिठाने में कई बार कठिनाई पेश आती है। महाराष्ट्र में भाजपा के सामने भी वही स्थिति है। वहां उसने एकनाथ शिंदे की अगुआई वाली शिवसेना और अजित पवार की अगुआई वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के साथ मिल कर चुनाव लड़ा था। सबसे अधिक सीटें भाजपा को मिलीं। स्पष्ट बहुमत से महज तेरह सीटें कम। इस लिहाज से मुख्यमंत्री पद पर उसी का हक बनता है। शुरू में एकनाथ शिंदे ने जरूर कुछ दबाव बनाने का प्रयास किया था, मगर आखिरकार उन्होंने भी भाजपा का नेतृत्व स्वीकार कर लिया। इस तरह भाजपा के लिए रास्ता साफ हो गया और देवेंद्र फडणवीस को मुख्यमंत्री पद की दौड़ में सबसे आगे माना जाने लगा। मगर दिल्ली में पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के साथ बैठक के बाद भी मुख्यमंत्री के नाम की घोषणा नहीं की जा सकी। चुनाव नतीजों के सात दिन बाद भी इस मामले में निर्णय न लिए जा सकने से स्वाभाविक ही तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। पिछली सरकार में काफी उथल-पुथल बनी रही। तब शिवसेना के साथ मिल कर भाजपा ने चुनाव लड़ा था, मगर चुनाव नतीजों के बाद शिवसेना ने पाला बदल लिया और कांग्रेस तथा राष्ट्रवादी कांग्रेस से हाथ मिला कर महाअघाड़ी की सरकार बना ली थी। फिर शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस में बड़ी टूट हुई और इन दलों के नेताओं ने भाजपा के साथ मिल कर एकनाथ शिंदे की अगुआई में सरकार बना ली थी। संभव है, वहां उलट-फेर की आशंका भाजपा को अब भी सता रही होगी, इसलिए वह नई सरकार के गठन में किसी भी तरह सहयोगी दलों को असंतुष्ट नहीं रखना चाहती। फिर, जातियों का समीकरण भी उसे साधना है। वह मराठा दबदबे से अलग पिछड़े और दलित वर्ग में पैठ बनाना चाहती है।

मध्यप्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और हरियाणा के विधानसभा चुनावों के बाद जिस तरह इन वर्गों को संतुष्ट करने का प्रयास किया, उससे यह कयास स्वाभाविक रूप से लगाया जाने लगा है कि महाराष्ट्र में भी भाजपा कोई हैरान करने वाला फैसला कर सकती है। राजनीति में केवल सरकार बना लेना महत्त्वपूर्ण नहीं होता, सरकार के माध्यम से अपने जनाधार का विस्तार करना भी होता है। भाजपा इसी रणनीति पर काम कर रही है। मगर सरकार के गठन में देरी से प्रशासनिक कामकाज पर प्रतिकूल असर पड़ता है। मतदाता उन वादों को अमली जामा पहनते देखना चाहते हैं, जो चुनाव प्रचार के समय विजेता पक्ष ने किए थे। प्रशासनिक अमला इंतजार करता रहता है कि नई सरकार निर्देश दे कि उसे किन मसलों को तरजीह देना है और किन मसलों को मुल्तवी करना है। महाराष्ट्र आर्थिक रूप से समृद्ध राज्यों में शुमार है, इसलिए वहां सरकार गठन में होने वाली देरी का असर अर्थव्यवस्था पर भी पड़ता है। यह ठीक है कि गठबंधन में संतुलन साधना कठिन होता है, मगर महाराष्ट्र में ऐसी कोई अड़चन नजर नहीं आती। भाजपा को ही अपने असमंजस से बाहर निकलना है। चूंकि वह बड़ी पार्टी है, उसे सहयोगी दलों के साथ उदारता पूर्वक व्यवहार करना और उनके सहयोग का सम्मान करना होगा, तभी महायुति की टिकाऊ और भरोसेमंद सरकार बन सकेगी। पहले ही महाराष्ट्र काफी उठा-पटक झेल चुका है, उसे राजनीतिक स्थायित्व की जरूरत है।

दौलत और दिखावे की दौड़ में हाशिये पर संवेदनशीलता, क्या हम असल में रह गए हैं इंसान

मनुष्यता को बचाने की लड़ाई हर सभ्यता में दर्ज है। वहां से चलते हुए मनुष्य आधुनिक होते हुए आज तकनीकी पर इतना निर्भर हो चला है कि अपने आपको ज्यादा से ज्यादा आराम देना चाहता है। मगर इसके समांतर हुआ क्या है? ऐसा लगता है कि मशीनी बोझ के तले सांस ले रहा इंसान आज खुद भी एक मशीन-सा ही हो चला है। ऐसी मशीन, जो बढ़िया चमक-दमक के साथ चलती जाती है। उसकी अपनी कोई विचारधारा नहीं होती। उसमें न अहसास होते हैं, न भावुकता। यहीं पर दिखावा नामक नकारात्मक सोच बलवती हो जाती है। आज के इस अनूठे समय में बहुत सारे लोगों के पास आडंबर और शोशेबाजी के लिए तो समय निकल आता है, लेकिन आत्मविकास और आत्म-उन्नयन के नाम पर उनको समय की कमी महसूस होती है।

कई अभिभावक अपने किशोर होते बच्चे से यह कहते हुए मिल जाते हैं कि बेटा तुम किसी पर भरोसा न करनाज किसी की बात में मत आना। इस धरती पर तुम ही मनुष्य हो, बाकी की मनुष्यता तो खो गई है। मगर यह सब रटाते हुए अभिभावक यह कामना भी करते रहते हैं कि उनके बच्चे पर सारा संसार भरोसा करे। उनके बच्चे को ईमानदार मान ले। मनुष्यता को बचाने की लड़ाई हर सभ्यता में दर्ज है। वहां से चलते हुए मनुष्य आधुनिक होते हुए आज तकनीकी पर इतना निर्भर हो चला है कि अपने आपको ज्यादा से ज्यादा आराम देना चाहता है। मगर इसके समांतर हुआ क्या है? ऐसा लगता है कि मशीनी बोझ के तले सांस ले रहा इंसान आज खुद भी एक मशीन-सा ही हो चला है। ऐसी मशीन, जो बढ़िया चमक-दमक के साथ चलती जाती है। उसकी अपनी कोई विचारधारा नहीं होती। उसमें न अहसास होते हैं, न भावुकता। यहीं पर दिखावा नामक नकारात्मक सोच बलवती हो जाती है। आज के इस अनूठे समय में बहुत सारे लोगों के पास आडंबर और शोशेबाजी के लिए तो समय निकल आता है, लेकिन आत्मविकास और आत्म-उन्नयन के नाम पर उनको समय की कमी महसूस होती है। अपनी सोच और जीवनशैली को दुरुस्त करने की बात भी उनसे कही जाए तो वे टाल दिया करते हैं। एक बार आभासी दुनिया के झरोखे से देख लिया जाए तो पता चलेगा कि मनुष्य के पास फालतू और अनर्गल चीजों के लिए उमंग है और फुर्सत भी। मेट्रो में रील बनाई जा रही है। रेलवे प्लेटफार्म पर कुछ लोग नाच-कूद रहे हैं। मगर प्लेटफार्म पर चाय-समोसे बेच रही किसी बुजुर्ग महिला से कोई इतना भी नहीं पूछना चाहता कि माताजी, आपको भरण-पोषण के लिए हर रोज इतना काम करना पड़ रहा हैज बताइए अपनी कहानीज अपना दुखज क्या हम कुछ कर सकते हैं..! ऐसी तकलीफ कोई नहीं उठाना चाहता। कोई गलती से भी इस मजबूरी से गुजर रही महिला का दुख या कष्ट नहीं बांटना चाहता है। हमारे बुजुर्ग कहते थे कि अपने आसपास जो भी घटित हो रहा है, उसे गौर से देखा करो। उसका तुमसे भी कोई नाता है। मसलन कहीं भूख-गरीबी बीमारी है तो अनदेखा मत करो। कोई अगर करीब का परेशान है तो उसे सिर टिकाने के लिए अपना कंधा दो। उसका मन हल्का होने दो। अपनी तरफ से कुछ भी योगदान हो, जिससे आसपास का परिवेश सौहार्दपूर्ण हो, तो ऐसा किया करो। मगर इन बेहद जरूरी मुद्दों को खंगालने, संवारने, सुधारने, फैलाने और उस पर विचार करने आदि के लिए लोगों के पास वक्त नहीं है। कई बार बेबसी होती है, कई बार चमक-दमक में फंसने के बाद जरा सरल होकर जीवन की गली से होकर गुजरने का भाव भी पैदा ही नहीं होता। हालांकि संसार को आज संवेदनशील तथा मानवीय भावना के विकास की बहुत आवश्यकता है, लेकिन मतलबीपन, तंगदिली या आडंबर के खेल में अत्यधिक रमने के कारण हम इस बात पर विशेष या उतना ध्यान नहीं दे पाते, जितना इस संसार को अच्छा बनाने के लिए जरूरी होता है। निश्चित रूप से मानव कहलाने योग्य वे ही हैं जो बात नहीं, कर्म करके किसी दुखी के चेहरे पर हंसी और खुशी लाने की सोच रखते हैं। आज तो पाठशाला और पाठ्यक्रम भी इस तरह के कारोबारी हो गए हैं कि पांच साल का बालक भी जल्दी-जल्दी रुपए कमाने के सपने देखता है। किसी ने कितनी प्यारी बात कह दी है कि ऐसा कोई विद्यालय हो तो बताना, जहां बच्चों को पैसा कमाने की मशीन नहीं, संस्कार, सुविचार और विश्व बंधुत्व का पाठ पढ़ाया जाता हो। आज के असुरक्षित सामाजिक-आर्थिक परिवेश में अभिभावक भी अपनी संतान को चट पढ़ाई और पट दौलत का ही सूत्र रटाए जाते हैं। यह नहीं सोचते कि अपनी औलाद को ऐसा बनाया जाए, जहां मन और आत्मा अच्छे विचारों के आधार पर पुष्पित और पल्लवित हो। कितने ही अभिभावक अपने किशोर होते बच्चे से यह कहते हुए मिल जाते हैं कि बेटा तुम किसी पर भरोसा न करनाज किसी की बात में मत आना। इस धरती पर तुम ही मनुष्य हो, बाकी की मनुष्यता तो खो गई है। मगर यह सब रटाते हुए अभिभावक मन ही मन यह कामना भी करते रहते हैं कि उनके बच्चे पर सारा संसार भरोसा करे। उनके बच्चे को सबसे ईमानदार और सच्चा मान ले। यह कैसी उलटबांसी है। जिस पेंसिल से वे बाकी लोगों का खराब छवि बनाकर दिखा रहे हैं, जरा उसी से अपनी शक्ल भी बनाकर ठीक से देख लेते। इसीलिए यह जगत विरोधाभास का शिकार हो रहा है। हम सब अच्छी और सुखद दुनिया तो चाहते हैं, लेकिन उसे तैयार करने के लिए कौन, कैसे बीड़ा उठाएगा, यह सवाल दूसरे के पाले में ही जाता हुआ प्रतीत होता है। 'येन-केन-प्रकारेण मेरे पास पर्याप्त दौलत आ जाए, चुपचाप से छल कपट कर लूंज मेरा मतलब सिद्ध हो जाए, मुझे लाइन में इंतजार न करना पड़ जाएज मेरे घर के सामने कचरा न होज मैं बाहर से अच्छा और संभ्रांत नजर आऊं..!' इस तरह के चिंतन मनन और ऐसी मनोवृत्ति ने ही आज की सुविधाभोगी पीढ़ी को भर-भर कर अवसाद, कुंठा और उदासी दी है। एक बार फिर से हर घर में कबीर को सुनना चाहिए कि मानव अपने लालच के फंदे में फंसी वह मछली है जो जल में रहकर भी प्यासी है। यह अपने भीतर झांकने और आत्मचिंतन के लिए समय निकालने का समय है। हमें जाग जाना चाहिए। हम किस तरह की दिनचर्या में जी रहे हैं। मतलबीपन को अपनी सोच से उखाड़ फेंकने का संकल्प आज ही लेना चाहिए। इसे हर समय याद करने की जरूरत है कि मनुष्य वही है, जो मनुष्य के लिए मरे।

ज्ञान के दरवाजे खोलने की पहल

सरकार की यह पहल गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा एवं शोध तक शहरी और साथ ही ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं की पहुंच को आसान बनाएगी। यह नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति विकसित भारत और नेशनल रिसर्च फाउंडेशन के लक्ष्यों के अनुरूप है जो भारतीय शिक्षा जगत और युवा सशक्तीकरण के लिए गेम-चेंजर साबित होगी। इस योजना का लक्ष्य उन संस्थानों के लिए शोध पत्रिकाओं तक पहुंच का विस्तार करना है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पिछले दिनों देश भर के छात्रों को विद्वानों के शोध लेखों और जर्नल प्रकाशन तक आसान पहुंच प्रदान करने के उद्देश्य से वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन (ओएनओएस) नामक एक नई योजना को मंजूरी दी। इस योजना के माध्यम से देश के लगभग 1.8 करोड़ छात्र, शिक्षक और शोधकर्ता विश्व स्तर पर प्रकाशित हो रहे 13,000 से अधिक ई-जर्नल तक आसान पहुंच हासिल कर सकेंगे। ओएनओएस योजना केवल प्रमुख महानगरीय क्षेत्रों में ही नहीं, बल्कि टियर 2 और टियर 3 शहरों में भी रहने वाले छात्रों, शोधकर्ताओं और शिक्षकों को भी वैश्विक स्तर पर सृजित हो रहे ज्ञान का लाभ उठाने का अवसर प्रदान करेगी। इससे पहले जर्मनी और उरुग्वे सरकारों ने अनुसंधान सामग्री तक समान राष्ट्रीय पहुंच की शुरुआत की थी। वास्तव में वैज्ञानिक और शैक्षणिक प्रगति तभी प्राप्त की जा सकती है, जब वैश्विक ज्ञान तक पहुंच सुलभ हो। अनुसंधान एवं विकास ही हम सभी के लिए बेहतर जीवन का द्वार खोलती है। भारत पिछले कुछ वर्षों में श्रम-आधारित अर्थव्यवस्था को कौशल-आधारित अर्थव्यवस्था में बदलने में काम कर रहा। 15 अगस्त, 2022 को अपने स्वतंत्रता दिवस संबोधन के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत की प्रगति में अनुसंधान और विकास की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में बात की थी और जय जवान-जय किसान-जय विज्ञान के बाद जय अनुसंधान जोड़ा था। सरकार की यह पहल गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा एवं शोध तक शहरी और साथ ही ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं की पहुंच को आसान बनाएगी। यह नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति, विकसित भारत और नेशनल रिसर्च फाउंडेशन के लक्ष्यों के अनुरूप है, जो भारतीय शिक्षा जगत और युवा सशक्तीकरण के लिए गेम-चेंजर साबित होगी। इस योजना का लक्ष्य उन संस्थानों के लिए शोध पत्रिकाओं तक पहुंच का विस्तार करना है, जिनके पास पर्याप्त संसाधनों की कमी है। यह प्लेटफार्म एक जनवरी, 2025 को शुरू होने वाला है। इस मंच पर एल्सेवियर साइंस डायरेक्ट (लैंसेट सहित), स्प्रिंगर नेचर, विली ब्लैकवेल पब्लिशिंग, टेलर एंड फ्रांसिस, आइईईई, सेज पब्लिशिंग, अमेरिकन केमिकल सोसायटी, अमेरिकन मैथमेटिकल सोसायटी, आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, कैंब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस और बीएमजे जर्नल्स सहित 30 अंतरराष्ट्रीय प्रकाशकों द्वारा प्रकाशित 13,000 पत्रिकाएं उपलब्ध होंगी। वर्तमान में विभिन्न मंत्रालयों के अंतर्गत दस अलग-अलग पुस्तकालय संघ हैं, जो अपने प्रशासनिक दायरे में उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए पत्रिकाओं तक पहुंच प्रदान करते हैं। इसके अलावा अलग-अलग संस्थान अलग-अलग पत्रिकाओं की सदस्यता लेते हैं। वैज्ञानिक पत्रिकाओं की सदस्यता एक महंगा मामला है। ओएनओएस के आरंभ होने से यह बहुत सस्ता हो जाएगा। एक ही मंच पर सारी पत्रिकाएं उपलब्ध होने से शोधार्थियों को भटकना भी नहीं पड़ेगा। एक आंकड़े के अनुसार भारत ने 2018 में इलेक्ट्रानिक और प्रिंट पत्रिकाओं की सदस्यता पर लगभग 1,500 करोड़ रुपये खर्च किए थे। शोध अंतर्दृष्टि डाटाबेस स्किवल के अनुसार 2017 और 2022 के बीच भारत के शोध प्रकाशन में लगभग 54 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो वैश्विक औसत (22 प्रतिशत) के दोगुने से भी अधिक है। भारत का शोध पत्रिकाओं के प्रकाशन में चौथा स्थान (13 लाख अकादमिक पेपर) रखता है, जो चीन (45 लाख), अमेरिका (44 लाख) और ब्रिटेन (14 लाख) के ठीक बाद है, परंतु जब उत्पादित शोध के प्रभाव की बात आती है, तो उद्धरणों (साइटेशन) की संख्या में भारत पीछे रह जाता है और दुनिया में नौवें स्थान पर आता है। सरकारी थिंक टैंक नीति आयोग और इंस्टीट्यूट फार कांपिटिटिवनेस द्वारा किए गए एक अध्ययन के अनुसार भारत का अनुसंधान एवं विकास पर यह खर्च दुनिया में सबसे कम है। देश की नवाचार सफलता में एक और बाधा अनुसंधान एवं विकास कर्मियों की कम संख्या है। यूनेस्को इंस्टीट्यूट आफ स्टैटिस्टिक्स के अनुसार प्रति दस लाख आबादी पर केवल 253 विज्ञानी या शोधकर्ता हैं, जो विकसित राष्ट्रों की तुलना में काफी कम है। निजी क्षेत्र का योगदान अनुसंधान एवं विकास पर सकल व्यय का 40 प्रतिशत से कम है, जबकि उन्नत देशों में यह 70 प्रतिशत से अधिक है। दुनिया में अनुसंधान एवं विकास पर खर्च करने के मामले में शीर्ष 2,500 वैश्विक कंपनियों की सूची में केवल 26 भारतीय कंपनियां हैं। जबकि चीनी कंपनियों की संख्या 301 है। इस अंतर को प्राथमिकता के आधार पर पाटने की आवश्यकता है। चीन का मुकाबला करने के लिए उससे सीख लेने में हर्ज नहीं। इजरायल से भी सीख ली जानी चाहिए, जिसने यह दिखा दिया है कि एक छोटा राष्ट्र होने के बावजूद अनुसंधान एवं विकास में निवेश को प्राथमिकता देकर सतत विकास हासिल किया जा सकता है। भारत में निजी कंपनियां मुख्य रूप से बिक्री और विपणन में निवेश करती हैं और अनुसंधान एवं विकास में पर्याप्त संसाधनों का निवेश नहीं करती हैं। यही कारण है कि भारतीय ब्रांड नवाचार नहीं कर रहे हैं, जिसके चलते भारतीय निर्माता विश्व स्तर पर अनुकरणीय उत्पाद नहीं बना रहे हैं और विश्व बाजार में चीनी कंपनियों की चुनौती का सामना नहीं कर पा रहे हैं। अब समय आ गया है कि मेक इन इंडिया के लिए अनुसंधान एवं विकास पर फिर से ध्यान केंद्रित किया जाए। भारत के पास नवाचार का वैश्विक चालक बनने के लिए आवश्यक सभी सामग्रियां, एक मजबूत बाजार क्षमता, असाधारण प्रतिभावान आबादी और मितव्ययी नवाचार की एक संपन्न संस्कृति हैं। जरूरत है तो कच्ची प्रतिभाओं की खान को सही मार्गदर्शन की। वास्तव में एक मजबूत अर्थव्यवस्था होने के लिए देश के पास दीर्घकालिक और सार्थक स्तर पर ज्ञान प्रणाली की आवश्यकता है, जो अर्थव्यवस्था को शक्ति प्रदान करती है। जितनी बौद्धिक संपदा सृजित होगी उतने बड़े पैमाने पर रोजगार भी सृजित होंगे।

(लेखकजेएनयू के अटल स्कूल आफ मैनेजमेंट में प्रोफेसर हैं।)

प्रदूषण की आग से घुट रहीं विकासशील देशों की सांसें, इस लापरवाही के लिए कौन जिम्मेदार?

मगर विडंबना है कि इस समस्या की गंभीरता और इसके कारणों के बिल्कुल स्पष्ट होने के बावजूद उससे निपटने के लिए ठोस कदम उठाना जरूरी नहीं समझा जाता। यही वजह है कि अब इस समस्या के बढ़ते दायरे ने व्यापक तबाही के संकेत देने शुरू कर दिए हैं। हालांकि हवा में जहर घुलने से कई तरह की बीमारियों की चपेट में लोगों के आने के तथ्य एक बड़ी चुनौती बनते जा रहे हैं और इस हकीकत से मुंह मोड़ना अब संभव नहीं रह गया है। मगर हाल के वर्षों में जंगलों में लगने वाली आग की वजह से हवा में जो प्रदूषण घुल रहा है, उससे भारी संख्या में लोगों की जान जा रही है। स्वास्थ्य पत्रिका 'द लैंसेट' में प्रकाशित एक अध्ययन में इससे संबंधित जो ब्योरा सामने आया है, वह इसकी गंभीरता को रेखांकित करने के लिए काफी है।

ऐसी समस्या से निपटने के लिए विकसित देशों की ओर से विकासशील देशों को आर्थिक और तकनीकी मदद उपलब्ध कराने की जरूरत पर जोर दिया जाता रहा है, लेकिन समृद्ध देश हर ऐसे मौके पर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेते हैं। विकासशील देशों में प्रदूषण ने इंसान के सामने कैसी चुनौतियां खड़ी कर दी हैं, यह सब जानते हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस समस्या से लड़ने के लिए बैठकें होती हैं, हर वर्ष नए उपाय बताए जाते हैं। मगर विडंबना है कि इस समस्या की गंभीरता और इसके कारणों के बिल्कुल स्पष्ट होने के बावजूद उससे निपटने के लिए ठोस कदम उठाना जरूरी नहीं समझा जाता। यही वजह है कि अब इस समस्या के बढ़ते दायरे ने व्यापक तबाही के संकेत देने शुरू कर दिए हैं। हालांकि हवा में जहर घुलने से कई तरह की बीमारियों की चपेट में लोगों के आने के तथ्य एक बड़ी चुनौती बनते जा रहे हैं और इस हकीकत से मुंह मोड़ना अब संभव नहीं रह गया है। मगर हाल के वर्षों में जंगलों में लगने वाली आग की वजह से हवा में जो प्रदूषण घुल रहा है, उससे भारी संख्या में लोगों की जान जा रही है। स्वास्थ्य पत्रिका 'द लैंसेट' में प्रकाशित एक अध्ययन में इससे संबंधित जो ब्योरा सामने आया है, वह इसकी गंभीरता को रेखांकित करने के लिए काफी है। गौरतलब है कि जंगलों और घास के मैदानों में लगने वाली आग और प्रदूषण से सांस संबंधी बीमारियों के कारण हर वर्ष लगभग साढ़े चार लाख लोगों की जान चली जाती है। इनमें नब्बे फीसद से ज्यादा मौतें निम्न और मध्यम आयवर्ग वाले देशों में होती है। अध्ययन में आशंका जताई गई है कि जंगल में आग की घटनाओं में बढ़ोतरी के साथ-साथ मरने वालों की संख्या में भी इजाफा होता जाएगा। ऐसी समस्या से निपटने के लिए विकसित देशों की ओर से विकासशील देशों को आर्थिक और तकनीकी मदद उपलब्ध कराने की जरूरत पर जोर दिया जाता रहा है, लेकिन समृद्ध देश हर ऐसे मौके पर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेते हैं। हैरानी की बात है कि विज्ञान और तकनीकी के क्षेत्र में चरम विकास के दौर में भी जंगल में आग की घटनाओं से पार पाना एक चुनौती बनी हुई है। सवाल है कि जब तक इस समस्या पर प्राथमिकता के साथ काम नहीं किया जाएगा, तब तक इसके हल का रास्ता निकालना कैसे संभव होगा!

विकास के नाम पर मिली करोड़ों की धनराशि का दुरुपयोग

अपने सामने की सड़क तक बढ़ा लिए हैं। पिछली जनगणना के अनुसार देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में लगभग 6.40 लाख गांव और 7,935 शहर हैं। यहां निवास करने वाली जनता को स्थानीय स्तर पर ही अपनी समस्याओं का समाधान चाहिए होता है। अधिकतर समस्याओं के समाधान की जिम्मेदारी स्थानीय सरकारों यानी पंचायतों और नगर पालिकाओं की होती है। अनेक समस्याएं बहुत साधारण होती हैं, लेकिन उनका समाधान न होने से जनता आक्रोशित हो जाती है और प्रायः मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री को उत्तरदायी मानती है।

शहरों की अनगिनत समस्याओं का तो कहना ही क्या? धनार्जन और जीविकोपार्जन के लिए लोग शहरों की तरफ भागते हैं। शहरों की बेतहाशा बढ़ती आबादी से बेतरतीब होते आवासीय क्षेत्र अतिक्रमण को जन्म दे रहे हैं। नगर निकाय जिला प्रशासन या पुलिस प्रशासन के अधिकारी इस पर ध्यान नहीं देते। औसत जनता और दुकानदार दोनों ने अपने मकान और दुकान अपने सामने की सड़क तक बढ़ा लिए हैं। पिछली जनगणना के अनुसार देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में लगभग 6.40 लाख गांव और 7,935 शहर हैं। यहां निवास करने वाली जनता को स्थानीय स्तर पर ही अपनी समस्याओं का समाधान चाहिए होता है। अधिकतर समस्याओं के समाधान की जिम्मेदारी स्थानीय सरकारों यानी पंचायतों और नगर पालिकाओं की होती है। अनेक समस्याएं बहुत साधारण होती हैं, लेकिन उनका समाधान न होने से जनता आक्रोशित हो जाती है और प्रायः मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री को उत्तरदायी मानती है। इसका नतीजा उन्हें आगामी चुनावों में भुगतना पड़ता है। महात्मा गांधी और लोकनायक जयप्रकाश ग्राम स्वराज की अवधारणा के पुरोधा थे, लेकिन संविधान बनाते समय उसे स्वीकार नहीं किया गया। 1992 में संविधान के 73वें और 74वें संशोधनों द्वारा ग्रामीण स्तर पर पंचायत और शहरी स्तर पर नगरपालिका सरकारों को संवैधानिक मान्यता एवं अधिकार दिए गए, जिससे गांधी और जेपी के सपने साकार हो सकें, लेकिन उन संवैधानिक संशोधनों के 32 वर्षों बाद भी स्थानीय सरकारें ऐसा कुछ नहीं कर पाई हैं, जिससे ग्रामीण और शहरी जनता को राहत मिल सके। संविधान के अनुच्छेद 243(छ) और अनुच्छेद 243(ब) क्रमशः पंचायतों और नगर पालिकाओं को आर्थिक-विकास और सामाजिक न्याय के लिए योजनाएं बनाने और उन्हें लागू करने का अधिकार देते हैं। संविधान की अनुसूची-11 पंचायतों को 28 और नगर पालिकाओं को 18 क्षेत्रों में काम करने का अधिकार देती है। आखिर इसके बाद भी शहरों और गावों की समस्याएं क्यों बढ़ती जा रही हैं? पंचायतें और नगर पालिकाएं केंद्र सरकार, राज्य सरकार और कुछ बाह्य स्रोतों से पर्याप्त धन प्राप्त कर रही हैं। आज छोटी-छोटी पंचायतों को भी विकास के नाम पर करोड़ों की धनराशि भिन्न-भिन्न स्रोतों से मिलती है, पर उसका दुरुपयोग होता है। पंचायत प्रधान अपने को मिनी मुख्यमंत्री समझने लगे हैं। अनेक गांवों में वे सरकारी कर्मचारियों और बैंककर्मियों से साठगांठ करके विकास के लिए आए उस पैसे में भी हिस्सेदारी वसूलते हैं, जो केंद्र और राज्य सरकारें अनेक लोक-कल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत सीधे गरीबों के जनधन खाते में भेजती हैं। जितना बड़ा विकास का बजट, उतना ही बड़ा भ्रष्टाचार। इस पर कोई अंकुश नहीं लग पा रहा है, क्योंकि इसमें राजनीतिक और प्रशासनिक गठजोड़ है। अब यह किसी से छिपा नहीं कि स्थानीय चुनावों में बेतहाशा पैसा खर्च कर जनप्रतिनिधि बनने वाले विकास और कल्याण पर ध्यान देने के स्थान पर अपनी सत्ता का दुरुपयोग करके अगले चुनाव के लिए धनसंग्रह करने में लिप्त हो जाते हैं। गावों की कई समस्याओं में एक चर्चित समस्या छुट्टा-पशुओं की है, लेकिन उसे चुनाव के समय ही उछाला जाता है। क्या किसी भी पंचायत ने इस समस्या के समाधान के लिए कोई ठोस रणनीति बनाई है? उत्तर प्रदेश में योगी सरकार ने वर्ष 2023-24 में 125 करोड़ रुपये छुट्टा पशुओं के अस्थाई आवास, भोजन और औषधि के लिए आवंटित किए, पर क्या पंचायत सरकारों ने इस आवंटित धन का सदुपयोग किया, ताकि समस्या का समाधान हो सके? उनकी रुचि इसमें रहती है कि इस योजना से कितना धन स्वयं के लिए निकला जा सकता है। समय आ गया है कि इस पर विचार किया जाए कि मनरेगा जैसी योजनाएं गावों में क्यों रचनात्मक बदलाव नहीं ला पाईं? कुएं बनाना, तालाब निर्माण, सौर ऊर्जा, शौचालय निर्माण, प्रधानमंत्री आवास आदि अनेक योजनाएं गावों का स्वरूप बदल सकती हैं, पर पंचायत प्रतिनिधियों और सरकारी कर्मचारियों की उसमें रुचि कहां? क्या किसी पंचायत ने गांव में खेल-कूद, खेती, उद्योग-धंधे और कारोबार बढ़ाने के लिए कोई योजना बनाई? उलटे पराली जैसी प्रदूषण बढ़ाने वाली नई-नई समस्याएं हरियाणा, पंजाब आदि राज्यों में गंभीर हो रही हैं। क्या ग्राम पंचायतों का यह दायित्व नहीं कि अपने-अपने क्षेत्रों में इसे रोकने के उपाय करें और उसका वैकल्पिक व्यावसायिक समाधान खोजें?

रिकी पोंटिंग ने स्टीव स्मिथ और मार्नस लाबुशेन को विराट कोहली से सीखने की दी सलाह

पर्थ टेस्ट में हुए थे फ्लॉप

नई दिल्ली। भारत और ऑस्ट्रेलिया की टीमें बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तहत पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेल रही हैं. सीरीज का पहला टेस्ट पर्थ में खेला गया, जिसमें मेहमान टीम इंडिया ने 295 रनों से जीत दर्ज की. पर्थ टेस्ट में ऑस्ट्रेलियाई बैटिंग की बैक बोन कहे जाने वाले स्टार बल्लेबाज स्टीव स्मिथ और मार्नस लाबुशेन फ्लॉप दिखाई दिए थे. अब रिंकी पोंटिंग ने दोनों बल्लेबाजों को विराट कोहली से सीखने की सलाह दी। पोंटिंग ने स्मिथ और लाबुशेन से कहा कि आप विराट कोहली के जैसे अपने खेल पर भरोसा करिए. पर्थ टेस्ट की दोनों पारियों में स्मिथ ने क्रमश- 00 और 17 रन स्कोर किए थे. इसके अलावा मार्नस लाबुशेन ने दोनों पारियों में क्रमश- 02 और 03 रन बनाए थे। आईसीसी रिव्यू पर बात करते हुए पोंटिंग ने कहा, पर्थ टेस्ट में मार्नस सभी बल्लेबाजों से ज्यादा संकोचपूर्ण दिखाई दिए. हां, वहां मुश्किल विकेट पर हाई क्वालिटी बॉलिंग थी, लेकिन उन्हें इसे पलटने के लिए रास्ता ढूंढना होगा। बता दें कि पर्थ टेस्ट में खेलते हुए विराट कोहली पहली पारी में सिर्फ 05 रन पर आउट हो गए थे, लेकिन फिर दूसरी पारी में उन्होंने शानदार शतक लगाया, जो उनका 30वां टेस्ट शतक रहा। पोंटिंग ने आगे कहा, वह (कोहली) विपक्ष से मुकाबला करने की कोशिश से दूर हो गए और अपनी ताकत पर ध्यान दिया. मार्नस और स्मिथ को भी यही करने की जरूरत है।

अपने रास्ते तलाशिए और मजबूत इरादे दिखाइए। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिंकी पोंटिंग ने आगे कहा, आपके रिस्क लेने का रास्ता तलाशा होगा और उन पर डालना होगा क्योंकि आप दुनिया के बुमराह को जानते हैं... वो आपको आसानी से रन बनाने का मौके नहीं देंगे. जब वे ऐसा करते हैं, तो आपको उन पर हमला करने और उन पर कुछ दबाव डालने के लिए तैयार रहना होगा।

अंडर-19 एशिया कप में पाकिस्तान ने भारत को 43 रन से हराया

नई दिल्ली। पाकिस्तान ने अंडर-19 एशिया कप में भारत को 43 रन से हरा दिया। दुबई में खेले गए इस मुकाबले में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग करते हुए 50 ओवर में 7 विकेट खोकर 281 रन बनाए। शहजैब खान ने सबसे ज्यादा 159 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम 47.1 ओवर में 238 रन के स्कोर पर ऑलआउट हो गई। निखिल कुमार ने 67 रन की पारी खेली। पाकिस्तान की ओर से अली रजा ने सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए। जबकि फहम-सुभान को 2-2 विकेट मिला। भारत की ओर से समर्थ नागराज ने 3 विकेट झटके। जबकि आयुष म्हात्रे को 2 विकेट मिला। ग्रुप-ए में यह दोनों टीमों का पहला मैच था। भारत का दूसरा मुकाबला जापान से 2 दिसंबर को होगा।

इंग्लैंड पहली पारी में 499 रन पर ऑलआउट तीसरे दिन न्यूजीलैंड का स्कोर 155/6

केन विलियम्सन के टेस्ट में 9 हजार रन पूरे

क्राइस्टचर्च। इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच क्राइस्टचर्च में चल रहे टेस्ट मैच में तीसरे दिन का खेल समाप्त हो गया है। स्टंप्स तक कीवियों ने 6 विकेट खोकर 155 रन बना लिए है। डेरियल मिचेल 31 और नाथन स्मिथ 1 रन बना कर नाबाद हैं। इंग्लिश की पहली पारी में 499 रन पर ऑलआउट हो गई है, जबकि न्यूजीलैंड ने 348 रन बनाए थे। इंग्लैंड टीम ने पहली पारी के बाद 151 रन की बढ़त हासिल की थी। इंग्लैंड ने दिन की शुरुआत 319/5 के स्कोर से की। विलियम्सन की फिफ्टी, 9 हजार टेस्ट रन पूरे केन विलियम्सन ने 61 रन बना कर आउट हो गए। वह न्यूजीलैंड की ओर से टेस्ट में 9000 रन पूरा करने वाले पहले क्रिकेटर भी बनें। वहीं रचिन रविंद्र भी 38 गेंदों पर 24 रन बना कर पवेलियन लौटे। कप्तान टॉम लैथम एक और ड्वोन कॉन्वे 8 रन बनाकर आउट हुए। इंग्लैंड की ओर से क्रिस वोक्स और ब्राइडेन क्रेस को 3-3 विकेट मिले। इंग्लैंड 499 रन पर ऑलआउट, हैरी ब्रूक ने 171 रन बनाए इंग्लैंड की टीम ने लंच ब्रेक तक 8 विकेट पर 459 रन बना लिए थे। इसमें हैरी ब्रूक 171 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें मैट हेनरी ने विकेटकीपर टॉम ब्लेंडल के हाथों कैच कराया। कप्तान बेन स्टोक्स ने 80 रन की पारी खेली, जबकि गॉस एटकिंसन ने 48 और ब्रायडन केस ने नाबाद 33 रन बनाए। मैट हेनरी ने 4 विकेट झटके। नाथन स्मिथ ने 3 विकेट झटके। टिम साउदी को 2 विकेट मिले।

दक्षिण अफ्रीका ने श्रीलंका को पहला टेस्ट हराकर डबलूटीसी प्वाइंट्स टेबल में किया बड़ा बदलाव

दक्षिण अफ्रीका ने पहले टेस्ट में श्रीलंका को 233 रनों से करारी शिकस्त दी. इस जीत के साथ अफ्रीका ने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के प्वाइंट्स टेबल में बड़ा बदलाव कर दिया. तो क्या इस बदलाव से टीम इंडिया को नुकसान पहुंचा? आइए जानते हैं कि पहले टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका की जीत और श्रीलंका की हार से टीम इंडिया को क्या नुकसान हुआ और अब प्वाइंट्स टेबल कैसा दिख रहा है. बता दें कि दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जा रही है. सीरीज के पहले मुकाबले में जीत हासिल कर अफ्रीका ने खुद को वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के प्वाइंट्स टेबल में दूसरे पायदान पर काबिज कर लिया है. इससे पहले अफ्रीका पांचवें पायदान पर था। अफ्रीका की जीत से टीम इंडिया को किसी भी तरह का कोई नुकसान नहीं हुआ है. भारतीय टीम अफ्रीका-श्रीलंका टेस्ट से पहले भी अव्वल नंबर पर थी और अभी भी पहले ही नंबर पर काबिज है. टीम इंडिया के पास सबसे ज्यादा 61.11 का जीत प्रतिशत मौजूद है. टीम इंडिया 2023-25 वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप चक्र में 15 टेस्ट खेल लिए हैं, जिसमें 9 में जीत दर्ज की है। वहीं 5 मुकाबले गंवाए और 1 ड्रॉ पर खत्म हुआ। जीत के बाद अफ्रीका दूसरे और ऑस्ट्रेलिया की टीम तीसरे पायदान पर पहुंच गई है. श्रीलंका के खिलाफ जीत हासिल कर अफ्रीका का जीत प्रतिशत 59.26 का हो गया है. फिर तीसरे पायदान पर मौजूद ऑस्ट्रेलिया का जीत प्रतिशत 57.69 का है. इसके बाद न्यूजीलैंड की टीम 54.55 प्रतिशत जीत के साथ चौथे नंबर पर है।

फिर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हारने वाली श्रीलंका टीम प्वाइंट्स टेबल में पांचवें पायदान पर है. श्रीलंका के पास जीत का प्रतिशत 50 का है. श्रीलंका ने अब तक इस चक्र में 10 टेस्ट खेल लिए हैं. इन मैचों में टीम ने 5 में जीत दर्ज की और 5 मुकाबले गंवाए हैं।

व्यापार

7 महीने में 50 प्रतिशत बढ़ा गोल्ड लोन, वित्त वर्ष 2024-25 में अक्टूबर तक 1.54 करोड़ लोन दिया

नई दिल्ली। चालू वित्त वर्ष यानी 2024-25 के पहले सात महीनों में गोल्ड लोन में 56 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। शुक्रवार को आरबीआई द्वारा जारी बैंक क्रेडिट के सेक्टोरल डिप्लॉयमेंट के आंकड़ों से पता चलता है कि 18 अक्टूबर, 2024 तक 1,54,282 करोड़ रुपए का गोल्ड लोन बांटा जा चुका है। वहीं वित्त वर्ष 2023-24 के शुरुआती 7 महीने में कुल 98.8 हजार करोड़ रुपए का लोन बांटा गया था। वहीं पिछले वित्त वर्ष में बैंक और NBFC s द्वारा कुल 1,02,562 करोड़ रुपए का गोल्ड लोन बांटा गया था। ये इस वित्त वर्ष के शुरुआती 7 महीनों में बांटे गए लोन से 50 प्रतिशत कम है। पर्सनल लोन में सालाना आधार पर 5.6 प्रतिशत की ग्रोथ देखने को मिली है। वहीं बैंकों लेने की दर में 12.1त्न की सालाना ग्रोथ देखने को मिली है। वहीं इस वित्त वर्ष के पहले 7 महीनों में क्रेडिट कार्ड लोन में 9.2 प्रतिशत की बढ़त देखने को मिलेगी।

एक्सर्ट्स के अनुसार गोल्ड लोन में ये बढ़ोतरी का कारण गोल्ड की कीमतों का बढ़ना हो सकता है। इसके अलावा गोल्ड लोन आसानी और कम ब्याज पर मिल जाला है। वहीं कुछ विश्लेषक गोल्ड लोन की बढ़ती मांग को वित्तीय संकट का संकेत भी मानते हैं।

कुछ बातें गोल्ड लोन लेने से पहले कई पहलुओं पर गौर करना जरूरी है। इनमें ब्याज दर, लोन-टू-वैल्यू रेशियो, प्रोसेसिंग फीस और कर्ज चुकाने की शर्त शामिल हैं। इन सबसे बढ़कर आपके द्वारा गिरवी रखे गए सोने की सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण है। ऐसे में आपको प्रतिष्ठित लेंडर (यानी गोल्ड लोन देने वाली फर्म) को चुनना चाहिए, जिनके पास सुरक्षित स्टोरेज या लॉकर फैसिलिटी या फिर इंश्योर्ड वॉल्ट हो।

एनएसई ने कुछ इंडेक्स डेरिवेटिव कॉन्ट्रैक्ट्स एक्सपायरी में बदलाव किया

नई दिल्ली। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ने कुछ इंडेक्स डेरिवेटिव कॉन्ट्रैक्ट्स के लिए एक्सपायरी डे में बदलाव का ऐलान किया है। बैंक निफ्टी का वीकली और क्वार्टरली कॉन्ट्रैक्ट की एक्सपायरी अब महीने की आखिरी बुधवार की बजाय आखिरी गुरुवार को एक्सपायर को होगी। फिन निफ्टी का मंथली कॉन्ट्रैक्ट्स अब लास्ट मंगलवार के बजाय महीने के अंतिम गुरुवार को खत्म होगा।

वहीं, मिड निफ्टी का मंथली कॉन्ट्रैक्ट्स अब अंतिम सोमवार के बजाय महीने के अंतिम गुरुवार को खत्म होगा। इसके साथ ही निफ्टी नेक्स्ट 50 का मंथली कॉन्ट्रैक्ट्स अब महीने के अंतिम शुक्रवार के बजाय अंतिम गुरुवार को खत्म होगा। यह बदलाव 1 जनवरी 2025 से लागू होंगे। हालांकि, निफ्टी के मंथली, वीकली, क्वार्टरली और हाफ-इयरली कॉन्ट्रैक्ट्स के एक्सपायरी डे में किसी भी तरह का बदलाव नहीं किया है।

बीएसई भी कॉन्ट्रैक्ट्स के एक्सपायरी डे में कर रहा बदलाव

इससे पहले गुरुवार को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज ने सेंसेक्स, बैंकेक्स और सेंसेक्स 50 इंडेक्स डेरिवेटिव कॉन्ट्रैक्ट्स के एक्सपायरी डे में बदलाव करने का ऐलान किया था। वीकली सेंसेक्स डेरिवेटिव कॉन्ट्रैक्ट्स शुक्रवार की जगह अब हर हफ्ते के मंगलवार को एक्सपायर होगा। बेंचमार्क इंडेक्स के लिए मंथली कॉन्ट्रैक्ट में भी यही बदलाव होगा।

मंथली सेगमेंट में बैंकेक्स कॉन्ट्रैक्ट अब सोमवार के बजाय महीने के लास्ट मंगलवार को खत्म होगा। सेंसेक्स 50 के लिए कॉन्ट्रैक्ट महीने के अंतिम गुरुवार की जगह मंगलवार को एक्सपायर होगा। इसके अलावा सेंसेक्स का क्वार्टरली और सेमी-एनुअल कॉन्ट्रैक्ट की एक्सपायरी शुक्रवार के बजाय महीने के अंतिम मंगलवार को होगी। बीएसई के भी यह बदलाव 1 जनवरी 2025 से लागू होंगे। मार्केट रेगुलेटर सेबी के आदेश के बाद नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ने अपने सभी पांच इंडेक्स डेरिवेटिव कॉन्ट्रैक्ट्स के लॉट साइज को बढ़ा चुका है। निफ्टी 50 के लॉट साइज को 25 से बढ़ाकर 75 कर दिया गया है, जो 3 गुना की बढ़ोतरी है।

निफ्टी बैंक का लॉट साइज 15 से बढ़ाकर 30 कर दिया है। सेबी को उम्मीद है कि इस कदम से रिटेल निवेशकों का F&O में पार्टिसिपेशन कम होगा। 20 नवंबर 2024 से से नए लॉट साइज लागू हो चुके हैं।

HUL, विप्रो ने रोजाना काम आने वाले कई प्रोडक्ट्स किए महंगे

नई दिल्ली। रोजाना के इस्तेमाल का सामान बनाने वाली एचयूएल और विप्रो जैसी प्रमुख कंपनियों ने पामतेल कीमतों में बढ़ोतरी के असर को कम करने के लिए साबुन की कीमतों में लगभग सात-आठ फीसदी की बढ़ोतरी की है. पामतेल, साबुन उत्पाद का एक प्रमुख कच्चा माल है. एचयूएल और टाटा कंज्यूमर जैसी कंपनियों ने हाल ही में चाय की कीमतों में भी बढ़ोतरी की है, क्योंकि अनियमित मौसम के कारण उत्पादन में गिरावट आई है। सितंबर तिमाही के नतीजों के दौरान कई लिस्टेड कंपनियों ने अपने मार्जिन को सुरक्षित रखने के लिए चालू तिमाही में साबुन की कीमतों में बढ़ोतरी का संकेत दिया. ये कंपनियां पामतेल, कॉफी और कोको जैसे कमोडिटी की लागत में बढ़ोतरी का सामना कर रही थीं।

साबुन बनाने में प्रमुख कच्चे माल की कीमतों में इजाफा- विप्रो

विप्रो कंज्यूमर केयर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) नीरज खत्री ने कहा, ÷साबुन बनाने में प्रमुख कच्चे माल की कीमतों में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है. इसमें इस साल की शुरुआत से 30 फीसदी से अधिक की बढ़ोतरी हुई है. इसके चलते सभी प्रमुख कारोबारियों ने बढ़ोतरी को आंशिक रूप से संतुलित करने के लिए लगभग सात-आठ फीसदी की मूल्य बढ़ोतरी की है. हमने कीमतें बढ़ाकर इन बाजार रुझानों के मुताबिक ही काम किया है.÷ अजीम प्रेमजी के नेतृत्व वाली विप्रो एंटरप्राइजेज की यूनिट विप्रो के पास संतूर जैसे ब्रांड हैं। दिग्गज कंपनी हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (एचयूएल) ने चाय और त्वचा की सफाई करने वाले उत्पादों की कीमतों में भी बढ़ोतरी की है. इनमें डव, लक्स, लाइफबॉय, लिरिल, पीयर्स, रेक्सोना आदि ब्रांड के तहत इसका साबुन कारोबार शामिल है. एक डिस्ट्रीब्यूटर के मुताबिक एचयूएल के और पर्सनल केयर उत्पादों की कीमतें भी बढ़ गई हैं।

पामतेल के दाम कितने बढ़े हैं

इंपोर्ट ड्यूटी बढ़ने के साथ-साथ ग्लोबल कीमतों में बढ़ोतरी की वजह से सितंबर के मध्य से पामतेल की कीमतों में लगभग 35-40 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है. पाम तेल मुख्य रूप से इंडोनेशिया और मलेशिया से इंपोर्ट किया जाता है. मौजूदा समय में पामतेल की कीमत लगभग 1370 रुपये प्रति 10 किलोग्राम है. नुवामा इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज के कार्यकारी निदेशक (रिसर्च) अबनीश रॉय के मुताबिक एचयूएल के बाद, अब ज्यादातर कंपनियां कीमतों में बढ़ोतरी करेंगी।

मल्टीबैगर PSU स्टॉक ने दिया 2100 प्रतिशत का रिटर्न

नई दिल्ली। सरकारी कंपनियों ने अपने निवेशकों को बीते कुछ वर्षों में कमाल का रिटर्न दिया है. हालांकि, कुछ दिनों से शेयर बाजार में गिरावट के चलते इन कंपनियों के भी शेयर गिरे हैं. लेकिन, अब बाजार में सुधार के आसार दिख रहे हैं और लोगों को उम्मीद है कि इस सुधार में कुछ पीएसयू स्टॉक्स में भी हरियाली दिखेगी. खैर, आज हम आपको एक ऐसे पीएसयू स्टॉक के बारे में बताएंगे, जिसने बीते कुछ वर्षों में अपने निवेशकों को 2100 पर्सेंट से ज्यादा का रिटर्न दिया है. इसके अलावा, इस सरकारी कंपनी को हाल ही में एक बड़ा ऑर्डर भी मिला है।

कौन सी है वह कंपनी

हम जिस सरकारी कंपनी की बात कर रहे हैं, उसका नाम है रेल विकास निगम लिमिटेड दरअसल, इस कंपनी ने पंजाब स्टेट पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड के एक पावर इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट के लिए सबसे कम की बोली लगाकर यह प्रोजेक्ट अपने नाम कर लिया है. कंपनी को 643.57 करोड़ रुपये के वैल्यू वाला प्रोजेक्ट मिला है.

हाल ही में आरवीएनएल ने स्टॉक मार्केट को जानकारी दी कि प्रोजेक्ट पंजाब में एचटी/एलटी इंफ्रास्ट्रक्चर लॉस रिडक्शन वर्क्स के एग्जीक्यूशन को लेकर पैकेज-3 सेंट्रल जोन के लिए डिस्ट्रीब्यूशन इंफ्रास्ट्रक्चर वर्क के लिए है. आरवीएनएल यह काम रिवैंप्ड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम के तहत करेगी. कंपनी को यह काम 24 महीनों के अंदर करना होगा. एक्सपर्ट्स मानते हैं कि इस खबर का असर सोमवार को बाजार खुलने पर इस शेयर में देखने को मिल सकता है।

रेल विकास निगम लिमिटेड ने अपने निवेशकों को बंपर रिटर्न दिया है. 12 अप्रैल 2019 को इस कंपनी के एक शेयर की कीमत 19.75 रुपये थी. 29 नवंबर 2024 को इस कंपनी के एक शेयर की कीमत 434.95 रुपये है. आरवीएनएल के 52 वीक हाई की बात करें तो ये 647 रुपये है. वहीं 52 वीक लो 162.10 रुपये है. इस कंपनी का मार्केट कैप 90,876 करोड़ रुपये है. वहीं इस स्टॉक का पीई 71 है. कंपनी का आरओसीई 18.7 फीसदी है. जबकि, बुक वैल्यू 38.1 रुपये है. आरओई की बात करें तो आरवीएनएल का ऋह्रश्व 20.4 फीसदी है. शेयर के फेस वैल्यू की बात करें 10 रुपये है.

कॉलेज गर्ल्स ट्राई करें ये स्टाइलिश हेयरस्टाइल

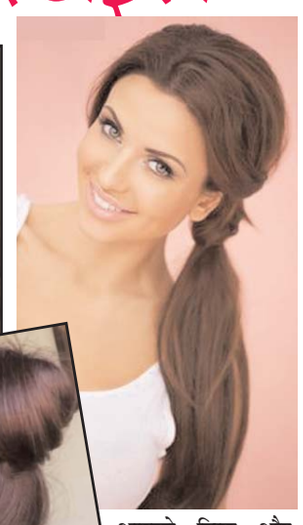

लड़कियां अक्सर कॉलेज के लिए तैयार होने के लिए लेट हो जाती है और सुबह की भागदौड़ में उनको स्टाइल और फैशन के बारे में सोचने का समय भी नहीं मिलता लेकिन कॉलेज में दूसरी लड़कियों को देखकर जलती रहती है। ज्यादातर लड़किया तो घंटो यह सोचने में लगा देती है कि आज कौन से कपड़े पहने जाएं और कौन सा हेयर स्टाइल बनाया जाएं लेकिन समय कम होने के कारण वही रूटीन का घिसा-पिटा हेयर स्टाइल करके जाने को मजबूर हो जाती है। अगर आप भी अपने रूटिन के हेयर स्टाइल से बोर हो चुकी है तो आज हम आपको टिप्स और ट्रिक्स के शॉर्टकटस बताएंगे जिनको फॉलों कर आप रोज अलग-अलग हेयर स्टाइल बना सकती है और कॉलज में स्टाइलिश बन कर जा सकती है। इनको करने के लइे जायादा समय भी नहीं लगेगा।

आइए देखते है कुछ स्टाइलिश हेयर स्टाइल जिनका करने में भी कम समय लगता है और आसानी से भी बन जाते है। जिनको करके आप कॉलज में स्टाइलिश और सेक्सी लुक दें सकती है। इन हेयर स्टाइल को आप किसी भी आउटफिट के साथ कैरी कर सकती है चाहे वो सलवार-कमीज या कोई वेस्टर्न ड्रैस।

डियोडरेंट करें सही तरह से यूज पड़ सकता हैं सेहत पर असर

पसीने की दुर्गंध से राहत के लिए डियोडरेंट का यूज बेहद आम बात है। डियोडरेंट चुनने के मामले में अक्सर लोग टेलीविजन पर दिखाए जाने वाले विज्ञापनों से प्रभावित हो जाते हैं और यह सोचते हैं कि इसे लगा कर वे भी उस तरह से रॉक स्टार बन जाएंगे, परंतु ऐसा करते समय आपके लिए यह जानना भी बेहद जरूरी होता है कि आपके लिए कौन सा डियोडरेंट सही रहेगा और कौन सा नहीं।

1. सही डियोडरेंट को जानें

पसीना आना शरीर की एक सामान्य प्रक्रिया है, जिससे तपती गर्मी में भी शरीर को ठंडक मिलती है, जिससे शरीर का तापमान नियंत्रण में रहता है। अधिकांश लोगों को सामान्य मात्रा में पसीना आता है, परंतु कुछ लोग ऐसे भी होते हैं, जिन्हें अत्याधिक पसीना आता है। कुछ लोगों की पसीने की ग्रंथियां ज्यादा सक्रिय होती हैं, यह एकसिंड्रोम होता है, जिसे हाइपरहाइड्रोसिस कहते हैं। इसकी वजह से वे असहज तो महसूस करते ही है, साथ ही उन्हें शरीर से दुर्गंध आने की समस्या भी होती है। इस के कारण अक्सर वह व्यक्ति अन्य लोगों से दूर रहने लगता है और उसमें आत्म विश्वास कम हो जाता है। पसीने एवं दुर्गंध की समस्या से निजात पाने के लिए लोग तरह-तरह के तरीके अपनाते हैं। कुछ लोग बार-बार नहाते हैं, तो कुछ लोग अपनी डाईट में बदलाव करते हैं, परंतु अधिकांश लोग डियोडरेंट अथवा एंटी-संपिंरट का यूज करते हैं। अंडर आर्म में अत्याधिक पसीना आने की समस्या से छुटकारा पाने के लिए कुछ लोग बोटॉक्स का सहारा भी लेते हैं। प्योरिफाइड बोटुलिनम टॉक्सिन की मामूली मात्रा इंजेक्शन से अंडर आर्म में दी जाती है, जिससे पसीना लाने वाली नब्ज अस्थायी रूप से ब्लॉक हो जाती हैं। ऐसे में 4 से 6 महीने के लिए पसीने की समस्या से राहत मिल जाती है।

2.डियोडरेंट या एंटी-पर्सपिरेंटस

क्या आप जानती हैं डियोडरेंट और एंटी पर्सपिरेंट में अलग-अलग संयोजन होता है और इनका इस्तेमाल भी अलग-अलग होता है। एंटीपर्सपिरेंट ऐसे डियोडरेंट होते हैं जो पर्सपिरेशन बंद करने के लिए पसीने की ग्रंथियों पर काम करते हैं, दूसरी ओर डियोडरेंट अंडर आर्म की दुर्गंध रोकता है, क्योंकि इसमें खुशबू होती है और त्वचा पर दुर्गंध पैदा करने वाले बैक्टीरिया को पनपने से रोकने वाले एंटी-बैक्टीरियल तत्व होते हैं। वास्तव में आपको एंटी-पर्सपिरेंट की जरूरत है अथवा डियोडरेंट की, यह बात आपके शरीर की जरूरत पर निर्भर करती है।

यदि आपको अत्याधिक मात्रा में पर्सपिरेशन नही होता है, बावजूद इसके आपको पसीने की दुर्गंध परेशान करती है, तो आपके लिए डियोडरेंट सही चुनाव हो सकता है। दूसरी ओर यदि आपको अत्याधिक पसीने के साथ दुर्गंध की समस्या होती है, तो आपके लिए एंटीपर्सपिरेंट सही चुनाव हो सकता है।

3. स्टिक और स्प्रे

यह आपकी निजी पसंद पर निर्भर करता है,

जो लोग डियोडरेंट को सीधे त्वचा पर लगाना पसंद करते हैं, वे अक्सर स्टिक लेना पसंद करते हैं। वहीं जो लोग डियोडरेंट कोशर्ट पर स्प्रे करना पसंद करते हैं, उन्हें स्प्रे बेहतर लगता है। यूं तो दोनों का यूज आसान होता है, हालांकि कई बार स्टिक आपके कपड़ों पर धब्बे छोड देती है, विशेष रूप से तब जब आपकी ड्रेस का रंग गाढ़ा हो।

4.रखें इन बातों का ध्यान

क्या आप सही डियोडरेंट का इस्तेमाल कर रही हैं, क्या आप यह जानती हैं कि जो उत्पाद आप इस्तेमाल कर रही हैं, उसमें कौन से तत्व इस्तेमाल हुए हैं और इनका आपकी त्वचा पर क्या असर हो सकता है। यदि नहीं तो न केवल उन बातों को जानें, बल्कि डियो का यूज करते समय कुछ बातों का खास ध्यान रखें।

5. हानिकारक केमिकल से रहें दूर

एल्युमिनियम कंपाउंड जैसे कि एल्युमिनियम क्लोराइड वाले डियोडरेंट कुछ लोगोंकी त्वचा में इरिटेशन रिएक्शन की वजह बन सकते हैं। डियोडरेंट में काफी मात्रा में अल्कोहल भी होता है, जो संवेदनशील त्वचा पर बुरा असर डाल सकता है। पैराबींस एक तरह का कृत्रिम प्रिजर्वेटिव है, जिसका यूज कॉस्मेटिक्स में काफी ज्यादा मात्रा में होता है। ऐसी आशंका जताई गई है कि इस केमिकल से स्तन कैंसर होने का खतरा बढ़ जाता है।

6. तेज खुशबू से परहेज

यदि आप की त्वचा सं है तो आप को तेज खुशबू से परहेज करना चाहिए, हर किसी के लिए आर्टिफीशिल खुशबू अच्छी नहीं होती। अधिकतर डियोडरेंट में अल्कोहल के साथ खुशबू वाले ऑयल का इस्तेमाल किया जाता है। ऐसी कुछ खुशबुएं त्वचा पर कॉस्मेटिक एलर्जी का कारण बन सकती हैं, तो यदि आप को भी खुशबू से एलर्जी है तो हल्की खुशबू वाले डियोडरेंट चुनें और डियोडरेंट को त्वचा पर छिड़कने की अपेक्षा कपड़ों पर छिड़कें।

स्कार्फ से दें स्टाइलिश लुक

कई बार मौसम के साथ अजब सी उदासी जुड़ जाती है इसे दूर करने का सबसे अच्छा उपाय है अपने पहनावे में कुछ खूबसूरत रंग जोड़े जाएं। इस लिहाज से बेस्ट हैं कलरफुल स्काव्र्स। फैशन एक्सपर्टस की मानें तो इन दिनों जरूरी एक्सेसरी व फैशन का पर्याय बन चुका है स्कार्फ।

इन दिनों कॉटन, क्रोएशिया से लेकर सिल्क तक विभिन्न फैब्रिक और कलर पैटर्न में इनकी व्यापक रेंज मौजूद है। जींस हो या स्कर्ट, किसी भी वेस्टर्न वेयर के साथ इसका कांबिनेशन बेस्ट लगता है । इन्हें आप मिक्स एंड मैच करके पहन सकती हैं। प्लेन कलर की ड्रेस में जोड़ना हो तो वाइब्रेंट अंदाज के लिए कलरफुल स्कार्फ से बात बन जाती है।

स्कार्फ के ढेरों फायदे भी हैं । बालों को धूप से बचाना हो तो इससे हेड कवर कर सकती हैं । फिटिंग की ड्रेस के साथ स्कार्फ डालने से ऐलीगेंसी बढ़ जाती है वहीं इसे पहनने के अनेक तरीके भी हैं । गले में रैप करने के अलावा इसे खुले बालों पर टर्बन की तरह बांध सकती हैं। रेट्रो लुक का भी साथी है स्कार्फ। खुले बालों में स्कार्फ को चौड़े हेयर बैंड की तरह भी बांधा जा सकता है सकती है। जींस व शर्ट के साथ कमर में इसे बेल्ट की तरह बांधना भी स्टाइलिश लगेगा।

ये 7 आइडिया जिससे होंगे जिद्दी दाग दूर

घर को साफ रखना बहुत जरूरी है। घर अगर साफ-सुथरा होगा तो आपके परिवार से बीमारियां भी दूर रहेगी लेकिन घर में ऐसे बहुत से कोने होते हैं, जिन्हें साफ करना बस की बात नहीं होती और इन्हीं में ज्यादा कीटाणु छीपे होते हैं। आज हम आपको इन मुश्किल कोनो को साफ करने के आसान टिप्स बता रहें हैं, जिससे आपकी परेशानी दूर हो जाएगी।

1.खिड़कियां

एक चिमटे पर कपड़ा बाधकर इससे ग्रिल की सफाई आसानी से की जा सकती है और इससे मुश्किल कोनों की भी सफाई भी हो जाएगी।

2. फ्रेम

घर पर फॉयल पेपर या टॉयलेट पेपर की खाली ट्यूब को लेकर वैक्यूम क्लीनर के आगे लगाकर खिड़कियों और दरवाजों के फ्रेम को कोने साफ करें।

3. कार

कार की सफाई करना भी बहुत जरूरी है। गंदगी होने पर कई तरह के बैक्टीरिया पनपते हैं। जिससे बीमार होने का खतरा रहता है। इसके लिए कार के कोने की सफाई एयर बड के साथ करें।

4. की-बोर्ड

कंप्यूटर पर काम कर रहे है तो इसके की-बोर्ड को जरूर साफ करें। इसके लिए एक हार्ड पेपर को फोल्ड करके इसे की-बोर्ड के बटनों के बीच रगड़े। इससे गंदगी साफ हो जाएगी।

5. मैट्रेस(गद्दे)

गद्दों के ऊपर बेकिंग सोडा छिडक दें और 10 मिनट बाद इसे वैक्यूम कलीनर के साथ साफ कर दें।

6. पाना के स्पॉट

नींबू का रस और बेकिंग सोडा मिक्स करके लगा दें और 5 मिनट के लिए ऐसे ही छोड दें। इसके बाद ब्रश से साफ करें।

7.शॉवर हैड

13 कप बेकिंग सोडा और 1 कप सिरका मिक्स करके एक प्लास्टिक बैग में डाल दें और शॉवर हैड पर बांध दें। इसे 2-3 घंटे बाद उतार कर साफ कर दें।

बटर चीज डोसा

सामग्री

- 11/2 कप डोसे का घोल
- 1 प्याज(बारीक कटा)
- 1 टमाटर(बारीक कटा)
- 1/2 चम्मच काली मिर्च(पीसी हुई)
- 1/2 कप पिज्जा चीज(कद्दूकस किया हुआ)
- 2-3 तुलसी की पत्तियां
- 3 चम्मच मक्खन

*विधि

- सबसे पहले मध्यम आंच पर तवा गर्म करें और इस पर तेल फैला दें।
- अब डोसे के घोल को तवे पर एक सार फैलाएं और इसे धीमी आंच पर अच्छी तरह से पकने दें।
- इस पर थोड़ा सा प्याज,टमाटर,काली मिर्च और ऊपर से कद्दूकस किया हुआ चीज डाल दें।
- चीज के पिघलने पर मक्खन डालें और धीरे से डोसे को मोड़ दें।
- इसी तरह से सारे डोसे बना लें। आपका बटर चीज डोसा बनकर तैयार है। इसे नारियल की चटनी और सॉस के साथ सर्व करें।

मूंग दाल चीला

सामग्री

मूंग दाल छिलके वाली - 200 ग्राम
प्याज- 1 बारीक कटा हुआ
टमाटर- 1 बारीक कटा हुआ
हरी मिर्च - 2 बारीक कटी हुई
हींग - 2 पिन्च
अदरक- 2 इंच कद्दूकस किया हुआ
हरा धनिया - एक कटोरी बारीक कटा हुआ
नमक - स्वादानुसार
तेल - 2 टेबल स्पून

विधि

मूंग की दाल को 7 -8 घंटो के लिए पानी में भिगो दें। भीगी हुई दाल में हींग और थोड़ा पानी मिला कर मिक्सी से बारीक पीस लीजिए । पिसी हुई दाल को एक बड़े कटोरे में डालिए और अदरक, हरी मिर्च, हरा धनिया, कटा प्याज, टमाटर, अदरक, पनीर, नमक मिला कर अच्छी तरह फैंट लें। तवा गरम करें और चम्मच से बिल्कुल थोड़ा सा तेल तवे पर लगाएं। दाल के मिश्रण को चमचे में भरकर गरम तवे पर गोल गोल पतला फैलाएं, एक छोटी चम्मच से 1-2 बूंदें तेल की चीले के चारों ओर डाल दें। नीचे की सतह ब्राउन होने पर पलट दें व दूसरी ओर भी अच्छी तरह पकने तक सेकिए। मूंगदाल का चीला तैयार है । इसे दही, धनिए या लहुसन-टमाटर की चटनी के साथ गरमा गरम परोसिए।

ओटस टिक्की बर्गर

*सामग्री

- 2 ओटस टिक्की
- 4 पत्तागोभी के पत्ते
- 1 छोटा टमाटर(स्लाइस में कटे)
- 1 छोटा प्याज(स्लाइस में कटा)
- नमक आवश्यकतानुसार
- 1 बड़ा चम्मच टोमैटो सॉस
- 2 छोटे चम्मच मक्खन
- 1 बन बर्गर
- 1 नींबू का रस
- चिली फ्लेक्स

*विधि

- सबसे पहले बन को बीच में से काट लें और मक्खन लगातर पैन में सेंक लें।
- एक बर्तन में कैचप,चिली फ्लेक्स और नींबू का रस मिला कर इसे बन पर लगाएं।
- इसके बाद ऊपर एक पत्ता गोभी का टुकड़ा और ऊपर से टिक्की रखें और ऊपर से टमाटर, प्याज के स्लाइस रख दें।
- इसके ऊपर दूसरे कटे हुए आधे बन से ढंक दें।
- इसे आप सॉस के साथ सर्व करें।

*सामग्री

- 1 कप मैदा
- 2 बडे चम्मच तेल
- 1 बडा चम्मच मैदा
- 1 बडा चम्मच मक्खन
- 1 कप दूध
- 12 कप बेबी कॉर्न(कटे हुए)
- 12 कप शिमला मिर्च लाल,पीली,हरी

क्रीमी कोर्न समोसा

- 1 बडा चम्मच चीज
- तलने के लिए तेल
- नमक स्वादानुसार
- मिर्च

*विधि

- सबसे पहले मैदा और नमक छान कर तेल डाल कर पानी से गूंध लें। एक कढाई में मक्खन गरम कर मैदा भूनें व इसमें दूध डालकर व्हाइट सॉस बनाएं।अब इसमें कटी शिमला मिर्च व बेबी कॉर्न,नमक और मिर्च डाल कर 1-2 मिनट तक पकाएं और चीज को कद्दूकस करके डालें और आंच से उतार लें। इसके बाद मैदा की छोटी-छोटी लोइयां बना कर पूरी बेल कर बीच में से आधी काट कर समोसे की शेप दें।अब इसमें पहले से बनाकर रखी हुई व्हाइट सॉस का मिश्रण भर कर पानी की सहायता से उंगुलियों से दबाते हुए बंद कर दें। एक कडाही में तेल गर्म करके इसमें समोसे तल लें और गर्मा-गर्म सॉस के साथ सर्व करें।

चना खाना भी बहुत जरूरी, मिलते हैं कई स्वास्थ्य लाभ

चने खाना तो वैसे हर किसी को पसंद होता है। फिर वह चाहें भूना हो या अकुंरित चना हो। हम आपने खाली समय को बिताने के लिए किसी ना किसी चीज को खाकर या चबाकर टाइम पास कर लेते है फिर चना ही क्यों नहीं, चने में कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, नमी, चिकनाई, रेशे, कैल्शियम, आयरन और विटामिन होते है जो हमारी सेहत के लिए काफी फायदेमंद होते है। इससे कई तरह की बीमारियां भी दूर होती है। आइए जानते चना खाने से सेहत किस तरह से बनी रहती है।

1. प्रोटीन से भरपूर

चने में लगभग 12 से 15 ग्राम प्रोटीन होता है जो अनाज के मुकाबले बहुत अधिक होता है। चने के सेवन से शरीर चुस्त बना रहता है।

2. मैगनीज का भंडार

शरीर में ब्लड सर्कुलेशन को सही रखने के लिए शरीर का तापमान सही होना चाहिए। इसलिए चने का सेवन बहत ही फायदेमंद साबित होता है।

3. एनीमिया से बचाव

चना में आयरन काफी मात्रा में होता है। रोजाना चने के सावन करने से एनीमिया की परेशानी दूर होती है। इसलिए महिलाओं और बगों को अपने भोजन में इसे शामिल जरूर करना चाहिए।

4. वजन कम

चने में फाइबर भरपूर मात्रा में होता है। रोजाना इसके सेवन से वजन घटता है और भूख को नियंत्रण करने में भी साहयक है।

5. किडनी के लिए फायदेमंद

हमें चने को अपने भोजन में जरूर शामिल करना चाहिए। इससे किडनी से जुड़ी सभी तरह की समस्याएं दूर होती है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत मनोहर बावड़ी पर निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

हिंदुस्तान एक्सप्रेस

बूंदी। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बालचंद पाड़ा के तत्वावधान में मनोहर बावड़ी पर निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 102 मरीजों को लाभान्वित किया गया गर्भवती महिलाओं का चेकअप किया गया दवा वितरण किया गया जांचे की गई, एंटी लार्वा एक्टिविटी करवाई गई तथा स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं का प्रचार प्रसार किया तथा आदि सेवाएं दी गई । शिविर में डॉक्टर मोहन लाल वर्मा, डॉक्टर ओ पी वर्मा, हेल्थ मैनेजर संदीप तेजस्वी, लेब तकनीशियन ओम प्रकाश, जीएनएम यश सक्सेना , भारत सैन,एएनएम हर्षा गोड, पूजा गुर्जर, दुर्गा शंकर बैरवा तथा आशा सहयोगिनी आदि ने सेवाएं प्रदान की।

केनरा बैंक कुन्हाड़ी शाखा का उद्घाटन

हिंदुस्तान एक्सप्रेस

कोटा। नाका चुंगी, कुन्हाड़ी क्षेत्र में केनरा बैंक की नई शाखा का उद्घाटन केनरा बैंक अंचल कार्यालय, जयपुर की महाप्रबंधक श्रीमती गीतिका शर्मा एवं मुख्य अतिथि के रूप में राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय, कोटा के कुलपति डॉ एस.के. सिंह रहे ने किया। इस अवसर पर केनरा बैंक क्षेत्रीय कार्यालय, कोटा के क्षेत्रीय कार्यालय प्रमुख रामा शंकर पांडेय एवं क्षेत्रीय कार्यालय के अन्य कार्यपालकगण और अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे । इस नई शाखा का उद्देश्य कुन्हाड़ी क्षेत्र के निवासियों और व्यापारियों को उत्कृष्ट बैंकिंग सेवाएँ प्रदान करना है। कुन्हाड़ी की इस नई शाखा में ग्राहकों को विभिन्न प्रकार की बैंकिंग सुविधाएं -जैसे बचत व चालू खाता खुलवाने, व्यक्तिगत और व्यवसायिक- ऋण, वाहन ऋण, आवास ऋण, सभी प्रकार के बीमा, निवेश परामर्श, और डिजिटल बैंकिंग- सेवाएं उपलब्ध होंगी। हमारा उद्देश्य है कि क्षेत्र के प्रत्येक व्यक्ति को सहज, त्वरित और सुखद बैंकिंग-अनुभव प्रदान कर सकें । कुन्हाड़ी शाखा के उद्घाटन के अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख रामा शंकर पांडेय ने कहा कि हम आशा करते हैं कि इस नई शाखा के माध्यम से हम कुन्हाड़ी के लोगों के वित्तीय जीवन को और भी सरल, सुखद और सुरक्षित बना सकेंगे।

राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल द्वारा जारी की गई विशिष्ट छूट योजना

1 दिसम्बर से 29 जनवरी 2025 तक रहेगी लागू

हिंदुस्तान एक्सप्रेस

बून्दी। राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल, द्वारा जारी आदेश के अनुसार उन उद्योगों, प्रोजेक्टस, प्रतिष्ठानों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से एक विशिष्ट छूट योजना शुरू की गई है, जो जल (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1974 और वायु (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम 1981 के तहत स्थापित या संचालित होने से पहले स्थापना की सम्मति और संचालन की सम्मति प्राप्त नहीं कर पाए है। सदस्य सचिव प्रदूषण नियंत्रण मंडल ने बताया कि राज्य में स्थापित/संचालित सभी उद्योगों, प्रोजेक्टस, प्रतिष्ठानों को जल प्रदूषण (निवारण एवं नियंत्रण मण्डल) अधिनियम, 1974 तथा वायु प्रदूषण (निवारण एवं नियंत्रण मण्डल) अधिनियम, 1981 के प्रावधानों के अन्तर्गत स्थापना/संचालन सम्मति राजस्थान राज्य प्रदूषण नियत्रण मण्डल से प्राप्त करना आवश्यक है। राज्य मण्डल की इस 'विशिष्ट छूट योजना' 'का उद्देश्य उन उद्योगों को प्रोत्साहित करना है, जो अब तक इन स्वीकृतियों के बिना काम कर रहे हैं, ताकि वे स्वीकृति प्राप्त कर पर्यावरणीय अनुपालन सुनिश्चित करे सके। उन्होने बताया कि राज्य मण्डल द्वारा समस्त उद्योगों, प्रोजेक्टस, प्रतिष्ठानों को सम्मति प्रबंधन मे लाने तथा पर्यावरण नियमों की प्रभावी पालना सुनिष्चित करने की दिशा में वर्तमान नियमों/प्रावधानों में शिथिलता प्रदान करते हुए 1 दिसम्बर 2024 से 29 जनवरी 2025 तक ''विशिष्ट छूट योजना'' लागू की जा रही है। उन्होने बताया कि इस 'विशिष्ट छूट योजना'' में राज्य मण्डल द्वारा उन सभी उद्योगों, प्रोजेक्टस, प्रतिष्ठानों जिन्होंने मण्डल से अभी तक किसी भी प्रकार की सम्मति के लिए आवेदन नहीं किया है, उनके द्वारा प्रथम बार स्थापना/संचालन सम्मति आवेदन पत्र मण्डल में प्रस्तुत करने पर उन्हें पूर्व अवधि का शुल्क (बैक पीरियड़ फीस) जमा कराने से छूट रहेगी।

जोगीयो का टपरा, सरस्वती का खेड़ा में होगी प्रज्ञा पुराण की कथा

हिंदुस्तान एक्सप्रेस

बूंदी। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार की प्रेरणा से गायत्री शक्तिपीठ बूंदी के तत्वाधान में दिनांक 3 दिसंबर से 9 दिसंबर तक प्रज्ञा पुराण की कथा एवं पंच कुंडीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन जोगियों का टपरा सरस्वती खेड़ा एवं रामगंज बालाजी में होगा।

कार्यक्रम के संयोजक कैलाश नाथ ने बताया कि 3 दिसंबर मंगलवार को सायं 5:00 बजे भव्य कलश यात्रा जोगीयों का टपरा सरस्वती का खेड़ा में निकाली जाएगी एवं बुधवार 4 दिसंबर से 8 दिसंबर रविवार तक रात्रि 7 से 9:00 बजे तक प्रज्ञा पुराण की कथा का आयोजन जोगियों के टपरा में किया जाएगा । 9 दिसंबर को दोपहर 12:00 बजे रामगंज बालाजी में पंचकुंडीय गायत्री महायज्ञ से इन कार्यक्रमों की पूर्णाहुति होगी। ज्योति कलश रथ यात्रा के जिला प्रभारी चंद्र मोहन सिंह गौड ने बताया कि प्रज्ञा पुराण कथा के प्रवक्ता लोकेश नारायण शर्मा होंगे एवं यज्ञ के प्रभारी रोडू लाल वर्मा रहेंगे,यज्ञ में पुंसवन संस्कार, नामकरण संस्कार व दीक्षा संस्कार करवायें जावेगे।ये कार्यक्रम वंदनीया माता भगवती देवी शर्मा के जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष में घर घर गायत्री एवं यज्ञ

पहूंचाने, के लिए व्यक्ति निर्माण, परिवार निर्माण से राष्ट्र निर्माण हैतु किये जा रहे है।इस कार्यक्रम की सफलता हेतु बूंदी तहसील सह प्रभारी राधेश्याम जोगी, बाबूलाल दैराण, सत्यनारायण भील,कजौड तंवर तैयारियो में लगे है। बूंदी तहसील प्रभारी पूर्व सरपंच भील समाज जिलाध्यक्ष मांगीलाल चित्तौड़िया ने बताया 9दिसंबर को 11बजे रामगंज बालाजी में बूंदी तहसील के गायत्री परिवार के कार्यकर्ताओं की गौष्ठी होगी जिसमें आने वाले कार्यक्रमों के बारे में योजना बनाई जावेगी।

शाहाबाद संरक्षित वन अभ्यारण की सुरम्य और सघन घाटियों के वैभव को बचाने के लिए कल्याण राय जी के मंदिर परिसर में पोस्टर का विमोचन

केंद्र और राज्य सरकार के तुगलक की फरमान के खिलाफ पर्यावरण प्रेमियों का विरोध

बारां। शाहबाद संरक्षित वन अभ्यारण्य क्षेत्र की सुरम्य और सघन घाटियों के वैभव को बचाने और केंद्र सरकार तथा राज्य सरकार द्वारा शाहबाद के जंगल काटने के निकाले गए तुगलकी फरमान के खिलाफ संघर्ष कर रहे पर्यावरण प्रेमियों द्वारा आंदोलन के लिए गठित शाहबाद घाटी संरक्षण संघर्ष समिति बारां द्वारा विभिन्न प्रकार से चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत हाडोती ही नहीं अपितु राजस्थान और जिला मुख्यालय के सुप्रसिद्ध मंदिर भगवान श्रीकल्याण राय जी महाराज जिन्हें श्री जी महाराज के नाम से भी पुकारा जाता है, के श्री चरणों में पोस्टर विमोचन कर पोस्टर अभियान का शुभारंभ किया गया।

विमोचन अवसर पर जन जन के आराध्य श्रीजी के मंदिर पर इस अवसर पर प्रातः 9 बजे प्रताप सेवा समिति के जिलाध्यक्ष सुरेन्द्र गालव,वार्ड पार्षद महावीर मथोडिया, संयुक्त व्यापार महासंघ प्रतिनिधि भानु पोरवाल,मेडिकल एसोसिएशन के अंकित खंडेलवाल, स्वर्णकार व्यापार संघ प्रतिनिधि मुकेश सोनी,गायत्री परिवार दिया टीम सदस्य पराग कुमार,हनुमान शर्मा, जिला स्तरीय प्रेस प्रतिनिधि लक्ष्मण वर्मा, देवेन्द्र कुमार चौरसिया और लोकेश सेन समेत कई अन्य गणमान्य नागरिकों ने श्री जी की महाआरती कर उनके चरणों में शाहबाद के जंगल को बचाने की प्रार्थना करते हुए मंदिर में भगवान श्री के विग्रह को शाहबाद जंगल बचाओ अभियान का पोस्टर भेंट किया। पोस्टर अभियान के शुभारंभ हेतु झालावाड़ के सुप्रसिद्ध पोस्टर निर्माता शशांक श्रोत्रिय द्वारा निर्मित पोस्टर का मंदिर प्रांगण में विमोचन किया गया।तत्पश्चात सभी लोगों ने अपने आराध्य श्री जी महाराज से शाहबाद जंगल को बचाने हेतु संकल्प लेकर प्रार्थना की।इसके बाद मंदिर प्रांगण में पोस्टर प्रदर्शन किया गया।यहां से सभी लोग एक समूह के रूप में भगवान श्री सत्यनारायण जी मंदिर में गए और सत्यनारायण भगवान को भी पोस्टर अर्पित किया गया।

दोनों मंदिरों में प्रार्थना करने के बाद शाहबाद घाटी संरक्षण संघर्ष समिति बारां द्वारा शहर के विभिन्न स्थानों पर पोस्टर लगाकर शाहबाद के जंगल बचाने का बिगुल बजाया।लोगों से जिलेभर के निवासियों के फेफड़ों को बचाने हेतु संकल्प लिए जाने और आंदोलन में शामिल होने की अपील की।

समिति के समन्वयक भानु पोरवाल ने बताया कि लोगों के बीच पोस्टर अभियान को लेकर सहयोग और समर्थन की सूरत उभरी है जिससे आंदोलन को सहयोग मिला है ।

सांसद सिंह व बारां-अटरू, अंता एवं किशनगंज विधायकों ने जिले के शाहाबाद में पेडों की कटाई पर आपत्ति जताई

हिंदुस्तान एक्सप्रेस

बारां। झालावाड़ बारां संसदीय क्षेत्र से सांसद दुष्यंत सिंह और अटरु बारां विधानसभा क्षेत्र से विधायक राधेश्याम बैरवा, अंता मांगरोल विधानसभा क्षेत्र से विधायक कंवर लाल मीणा, किशनगंज शाहबाद विधानसभा क्षेत्र से विधायक डॉ ललित मीणा द्वारा शाहबाद संरक्षित वन अभ्यारण्य क्षेत्र में काटे जाने वाले 119759 पेड़ों की कटाई पर आपत्ति जताए जाने पर शाहबाद घाटी संरक्षण संघर्ष समिति बारां द्वारा चारों जन प्रतिनिधियों को पत्र लिखकर अपनी भावनाओं को प्रकट किया है। समिति के अध्यक्ष रूपेश सेठी और सुरेन्द्र सिंह गौड ने बताया कि इस संदर्भ में आयोजित जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति की बैठक में सांसद दुष्यंत सिंह ने कहा है कि एक तरफ तो कूनो में चीते बसाए जा रहे हैं। दूसरी तरफ शाहबाद में शाहपुरा में ग्रीनको एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड को

पॉवर प्लांट लगाने के लिए डेढ़ लाख पेड़ काटे जाकर निजी बिजली परियोजना हेतु जमीन उपलब्ध कराई जा रही है। वहीं विधायक राधेश्याम बैरवा, ललित मीणा, कंवर लाल मीणा द्वारा शाहबाद संरक्षित वन अभ्यारण्य क्षेत्र में 100 से 200 साल में विकसित हुए जंगल की बलि देने का विरोध किया गया है।

दोनों ने बताया कि इस बयान से समिति द्वारा शाहबाद की सुरम्य और सघन घाटियों को बचाए जाने को लेकर किए जा रहे आंदोलन को सहयोग मिला है और समिति की ओर से सदस्य मुकेश सोनी द्वारा पत्र लिखा जा कर सभी जन प्रतिनिधियों के प्रति आभार जताया गया है। समिति की ओर से लिखे गए पत्र में मुकेश सोनी ने कहा कि जिला स्तरीय जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति की बैठक में आप द्वारा विश्व देश प्रांत और बारां जिले के पर्यावरण संरक्षण के हित में लिए गए प्रस्ताव और निर्णय से जिले वासियों को प्रसन्नता हुई है और आपसे आशा है कि भविष्य में भी आप जिले वासियों के हित में इसी प्रकार के निर्णय लेते रहेंगे। उन्होंने बताया कि झालावाड़ बारां संसदीय क्षेत्र से सांसद दुष्यंत सिंह द्वारा जिले वासियों के और जिले के पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों को समिति ने सकारात्मक रूप से लिया है और यह कहा है कि चारों जन प्रतिनिधियों ने जनता जनार्दन की भावनाओं को आदर सम्मान दिया है और जन साधारण की भावनाओं का सम्मान किया है।

शिक्षा विभाग कर्मचारीगण सहकारी सभा ने स्काउट गाइड एवं कब बुलबुल को की यूनिफॉर्म वितरित

हिंदुस्तान एक्सप्रेस

कोटा। शिक्षा विभाग कर्मचारीगण सहकारी सभा की ओर से शनिवार को आवासन मण्डल विद्यालय में स्काउट गाइड एवं कब बुलबुल को यूनिफॉर्म का वितरण किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर निगम कोटा दक्षिण के नेता प्रतिपक्ष विवेक राजवंशी थे। अध्यक्षता शिक्षा सहकारी सभा के अध्यक्ष प्रकाश जायसवाल ने की। विशिष्ट अतिथि एनसीसी अधिकारी देवेंद्र गौतम थे। संबोधित करते हुए राजवंशी ने कहा कि स्काउटिंग से बच्चों में नेतृत्व क्षमता और उत्तरदायित्व का विकास होता है। स्काउट बच्चों के व्यक्तित्व विकास में सहयोगी होता है। उन्होंने बच्चों से अच्छा नागरिक बनने के लिए बल दिया। प्रकाश जायसवाल ने कहा कि स्काउटिंग/गाइडिंग बच्चों में परोपकार की भावना उत्पन्न करती है। इसका लक्ष्य सेवा करना है। इसके माध्यम से व्यक्ति समाज में दीन दुखियों की निस्वार्थ भाव से सेवा करता है। उन्होंने बच्चों से आह्वान किया कि वह स्काउटिंग और गाइडिंग को अपने जीवन में उतारें। इस दौरान राजस्थान राज्य भारत स्काउट एवं गाइड स्थानीय संघ कोटा दक्षिण के ग्रुप राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय आवासन मंडल केशवपुरा, सरोजनी नायडू गाइड ओपन कंपनी, कब पैक एवं बुलबुल फ्लॉक समेत पांच ग्रुप को कुल 50 यूनिफार्म का वितरण किया गया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य कमलेश जिंदल, सुमनलता गुप्ता, सौरभ मीना, पप्पूलाल वर्मा, मधु मोदी, अनिल ठाकुर, नीता शर्मा, सुनीता भाटी, गीता शर्मा, काजल मेहबूबानी उपस्थित रहे।

वैष्णो देवी ज्योति मंदिर का 42वां स्थापना दिवस 18 को, विधायक संदीप शर्मा ने किया पोस्टर का विमोचन

हिंदुस्तान एक्सप्रेस

कोटा। वैष्णो देवी ज्योति मंदिर दादाबाड़ी में मूर्ति के 42वें स्थापना दिवस पर 18 दिसम्बर को माता की चौकी सजाई जाएगी। आयोजक सनमीत सिंह बंटी ने बताया कि 18 दिसम्बर को रात्रि 7 बजे से भजन सम्राट लखबीर सिंह लक्खा के द्वारा भजनों की सरिता बहाई जाएगी। कार्यक्रम के पोस्टर का शनिवार को विधायक संदीप शर्मा ने विमोचन किया। उन्होंने बताया कि स्थापना दिवस पर मंदिर की विशेष सज्जा के साथ ही प्रतिमा का भी विशेष श्रृंगार किया जाएगा। माता का दरबार सजाने और माता की प्रतिमा का श्रृंगार करने के लिए दिल्ली से कलाकार बुलाए गए हैं। इस दौरान छोले, हलवे और लड्डू का प्रसाद भी

वितरित किया जाएगा। विमोचन में सनमीत सिंह, जसवीर सिंह, अजीत सिंह, मंजीत सिंह अरोरा, सतीश चावड़ा, मनोज पालीवाल, राजू नागर, सुनील शर्मा उपस्थित रहे।

टैक्स बार एसोसिएशन कोटा की आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस एवं जीएसटी पर सेमिनार आयोजित

कोटा। टैक्स बार एसोसिएशन कोटा की शनिवार को आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस एवं जीएसटी पर सेवन वंडर्स रोड स्थित होटल सेवन डब्लू में सेमिनार आयोजित हुई। इस सेमिनार में स्पीकर के रूप में जयपुर से सीए रोहित प्रधान एवं सीए आयुष गुप्ता ने भाग लिया। टैक्स बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सीए ऋषभ मित्तल ने बताया कि सेमिनार में टैक्स प्रोफेशनल्स को स्पीकर द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के अत्याधुनिक टूल्स के बारे में बताया गया। जयपुर से पधारे सीए रोहित प्रधान ने कई उदाहरण देकर एआई टूल्स एवं टैक्स प्रोफेशनल्स के लिए इनकी दैनिक उपयोगिता पर व्याख्यान दिया। जीएसटी में वित्त वर्ष 2023-24 की वार्षिक रिटर्न्स में आ रही जटिलताओं पर जयपुर से पधारे सीए आयुष गुप्ता ने प्रकाश डाला। संस्था के सचिव सीए हितेष दयानी ने बताया कि सेमिनार सभी उपस्थित सदस्यों के लिए अत्यंत लाभदायक रही। सेमिनार में पधारे सभी सदस्यों का सचिव ने आभार व्यक्त किया। सेमिनार में सीए मुरलीधर सोनी, सीए मिलिंद विजयवर्गीय, एडवोकेट राजकुमार विजय, एडवोकेट ओम बरोड़िया, सीए लोकेश माहेश्वरी, सीए नीरज जैन, एडवोकेट राज ठाकुर, सीए अर्चना जैन, सीए गोविन्द डूडी व एडवोकेट जय कुमार जैन सहित 100 से अधिक सीए व कर विशेषज्ञ उपस्थित रहे।

जेईई के लिए मोशन का एंथुज़ कोर्स 4 दिसंबर से

कोटा। जेईई, नीट व ओलम्पियाड की तैयारी के लिए देशभर में विख्यात मोशन एजुकेशन ने कक्षा 11वीं से 12वीं में जा रहे एवं जेईई (मैन व एडवांस्ड) 2026 की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों के लिए एंथुज़ कोर्स प्रारम्भ करने की घोषणा की है। यह कोर्स 4 दिसंबर से प्रारम्भ होगा । इसमें मोशन एजुकेशन कोटा के विशेषज्ञ शिक्षकों के द्वारा कक्षा 11 एवं 12 का सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पूरा करवाया जाएगा। कोर्स में विद्यार्थियों को स्ट्रक्सर्ड कोर्स प्लानर के माध्यम से जेईई (मैन व एडवांस्ड) 2026 के साथ-साथ 12वीं बोर्ड परीक्षा के लिए भी तैयार किया जाएगा ताकि विद्यार्थी जेईई के साथ बोर्ड में भी अच्छा प्रदर्शन कर सके। एंथुज़ कोर्स में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को मोशन लर्निंग ऐप का एक्सेस भी प्रदान किया जाएगा। कोर्स के लिए आवेदन प्रक्रिया प्रारम्भ हो चुकी है। विद्यार्थी टोल फ्री नंबर 1800-212-1799 पर कॉल करके या मोशन के राजीव गांधी नगर स्थित ऑफिस आकर इसकी विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं ।

पशु परिचर सीधी भर्ती परीक्षा 2023 1 से 3 दिसंबर तक छः चरणों में होगी

हिंदुस्तान एक्सप्रेस

बूंदी। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड जयपुर की आरे से आयोजित पशु परिचर सीधी भर्ती परीक्षा 2023 1 से 3 दिसंबर तक छः चरणों में प्रथम पारी प्रातः 9 बजे से मध्याह्न 12 बजे तथा द्वितीय पारी दापेहर 2:30 बजे से सायं 5:30 बजे आयोजित होगी। परीक्षा में जिला मुख्यालय पर 17 केन्द्रों पर 6038 अधिकतम परीक्षार्थी प्रति पारी भाग लेंगे। 11 सरकारी एवं 06 निजी परीक्षा केन्द्र निर्धारित किए गए है।

परीक्षा समन्वयक, अतिरिक्त जिला कलक्टर सुदर्शन सिंह तोमर ने बताया कि परीक्षा के सुचारू संचालन के लिए प्रत्येक राजकीय केन्द्र पर एक केन्द्र पर्यवेक्षक व निजी परीक्षा केन्द्र पर 2 केन्द्र पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए है। परीक्षा केन्द्रो पर परीक्षा के दौरान निरीक्षण हेतु 03 फ्लाईंग स्कवायड दल बनाए गए है तथा प्रत्येक परीक्षा केन्द्र पर सुरक्षा की दृष्टि से पर्याप्त पुलिस बल की नियुक्ति की गई हैं। प्रत्येक केन्द्र पर वीडियोग्राफी की व्यवस्था की गई है।

केन्द्राधीक्षक, उपसमन्वयक व पर्यवेक्षकों की आमुखीकरण का आयोजन परीक्षा की तैयारियों के संबंध में केन्द्राधीक्षक, उपसमन्वयक व पर्यवेक्षकों की आमुखीकरण बैठक कलक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई। बैठक में अतिरिक्त जिला कलक्टर ने बताया कि राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड जयपुर के निर्देशानुसार परीक्षा केन्द्र में परीक्षार्थी अपने साथ ई-प्रवेश पत्र, स्वयं का नवीनतम रंगीन फोटोग्राफ (जो एक माह से अधिक पुराना ना हो) एवं मूल फोटोयुक्त पहचान पत्र लेकर प्रवेश कर सकते है। प्रोविजनल ई-प्रवेश पत्र बोर्ड की वेबसाइट पर जारी कर दिए गए है। परीक्षार्थी को उत्तर लिखने के लिए नीली स्याही का पारदर्शी बॉल पेन परीक्षा केन्द्र में लाने की अनुमति है।

उन्होंने बताया कि अनुमत सामग्री के अलावा किसी अन्य सामग्री के साथ परीक्षार्थी केन्द्र पर प्रवेश नही होगा। परीक्षार्थी का परीक्षा केन्द्र पर प्रवेश परीक्षा प्रारम्भ होने के 01 घण्टे पूर्व तक ही होगा। परीक्षार्थी कर्मचारी चयन बोर्ड के निर्देशानुसार ड्रेस कोड की अनिवार्यतः पालना करेंगे।

विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्य प्राप्त करने के निर्देश

कम प्रगति वाले 24 बीएलओ व सुपरवाइजरों को जारी किए नोटिस

बूंदी। विधानसभा क्षेत्र बूंदी में संचालित मतदाता सूचियो के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति के लिए निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एसडीएम बूंदी भावना सिंह ने शनिवार को बीएलओ एवं सुपरवाइजर की बैठक ली। बैठक में कम प्रगति वाले 24 बीएलओ और सुपरवाइजर को नोटिस जारी किए गए। बैठक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी ने कार्य में प्रगति लाने के लिए सभी बीएलओ और सुपरवाइजर को निर्देश दिए। बैठक में तहसीलदार बूंदी अर्जुन लाल, तहसीलदार रायथल प्रकाश मीणा,नायब तहसीलदार बूंदी बलवीर सिंह ,नायब तहसीलदार मूल सिंह उपस्थित रहे।

शिक्षक के साथ हुई मारपीट के विरोध में रेसला ने दिया जिला कलेक्टर व जिला पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन

हिंदुस्तान एक्सप्रेस

बारां। हरनावदाशाहजी पद स्थापित व्याख्याता महेंद्र कुमार नागर के साथ 27 नवंबर को विद्यालय से घर लौटते समय चार-पांच जनों ने रास्ते में रोक कर लोहे के सरियों, लाठियां व चाकू से प्राण घातक हमला कर दिया। इससे शिक्षक समाज में भय व्याप्त है। रेसला संगठन इस तरह की घटनाओं की घोर निंदा करता है। इस संबंध में जिला अध्यक्ष रेसला मदन मोहन मेघवाल के नेतृत्व में जिला कलेक्टर व जिला पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन देकर मांग की गई है की हमलावरों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी की जावे। जिला कलेक्टर व पुलिस अधीक्षक ने अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का भरोसा दिलाया। ज्ञापन में देने के दौरान जिला मंत्री बालमुकुंद नागर, किशनगंज ब्लॉक अध्यक्ष भारत नागर, बारां ब्लॉक अध्यक्ष सुनील मेहता, मनीष मीणा, संतोष जैन, विकास मीणा समेत कई व्याख्याता साथी मौजूद रहे।

5 दिवसीय योग प्राकृतिक चिकित्सा शिविर सोमवार से

हिंदुस्तान एक्सप्रेस

बूंदी। जिला कलेक्टर अक्षय गोदारा के निर्देशन में आमजन को नियमित योगाभ्यास के द्वारा स्वस्थ रखने के लिए जिला प्रशासन आयुर्वेद विभाग के संयुक्त तत्वावधान में संचालित योग फोर निरोगी बूंदी स्वास्थ्य महाभियान के तहत देवपुरा स्थिति योग प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान केंद्र में सोमवार से 5 दिवसीय योगप्राकृतिक चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाएगा। महाभियान के समन्वयक डॉ सुनील कुशवाह ने बताया कि इस शिविर में योग चिकित्सकों के निर्देशन में रोगानुसार योग चिकित्साभ्यास, जलनेति,कटिस्नान, मिट्टी चिकित्सा, जलचिकित्सा आदि प्राकृतिक चिकित्सा विधियों से उपचार किया जायेगा। योग प्राकृतिक चिकित्सा अधिकारी डॉ मुकेश माली ने बताया कि इस शिविर के प्रथम चरण में जलनेति द्वारा उपचार किया जायेगा। जलनेति पुराना नजला-जुकाम,साइनस,अस्थमा, एलर्जी,माइग्रेन, तनाव, आंखों की रोशनी कम होना तथा आंखों का नंबर बढ़ना आंसू आना आदि रोगों में लाभकारी है ।

समस्त विभागों के अधिकारी आमजन के हितों से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूर्ण करें - श्रीनिधि बीटी

जिला कलक्टर श्रीनिधि बी टी ने जिले के सुदूर ग्राम खरौली में आयोजित की रात्रि चौपाल

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

धौलपुर। जिला कलेक्टर श्रीनिधि बी टी की अध्यक्षता में शुक्रवार को उपखंड सरमथुरा के सुदूर ग्राम खरौली में रात्रि चौपाल का आयोजन हुआ जिसमें उन्होंने आमजन की दैनिक जरूरत से जुड़े मुद्दे को सुनकर संबंधित विभाग के अधिकारियों को त्वरित निस्तारण करने के निर्देश दिए। रात्रि चौपाल के दौरान राजस्व विभाग, कृषि, शिक्षा, चिकित्सा, विद्युत संबंधी परिवादों को सुनकर जिला कलेक्टर ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को त्वरित निस्तारण करने के निर्देश दिए।

» धौलपुर ... कार्यक्रम में बोलते जिला कलक्टर श्रीनिधि बीटी

इस दौरान खरौली अमानपुरा सड़क पर से अतिक्रमण हटाकर सड़क निर्माण हेतु प्रस्ताव बनाकर भेजने के निर्देश दिये। उन्होंने ग्राम खरौली के पंचायत भवन के उपयोग हेतु निर्देशित किया। उन्होंने पटवारी को ग्राम में किसी भी सिवायचक भूमि से अतिक्रमण हटाने हेतु निर्देशित किया साथ ही एक परिवादी किसान की जमीन से लगते रास्ते पर से त्वरित ढंग से अतिक्रमण हटवाने की कार्यवाही हेतु निर्देश दिये। उन्होंने विभिन्न परिवादों पर मौके पर ही संबंधित अधिकारी से जानकारी लेते हुए निस्तारण संबंधी निर्देश दिये। उन्होंने निर्देशित किया कि ग्रामीणों के परिवादो को नियमित फॉलो अप किया जाए ताकि उनकी समस्याओं को समाधान हो एवं राहत मिले। इस अवसर पर जिला कलेक्टर ने कहा कि समस्त विभागों के अधिकारी आमजन के हितों से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूर्ण करें तथा प्रत्येक जनहित से जुड़े कार्यों की व्यक्तिगत रूप से नियमित मॉनिटरिंग करते हुए गुणवत्ता के उच्चतम मापदंड स्थापित करें। रात्रि चौपाल के अवसर पर सभी विभागीय अधिकारियों ने उनके विभाग से संबंधित जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। इस अवसर पर सीईओ जिला परिषद ए एन सोमनाथ, कार्यवाहक उपखंड अधिकारी सरमथुरा, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ जयंतीलाल मीना, सहित अधिकारी कार्मिक एवं

एसपी सुमित मेहरडा ने बजरी माफियाओं के ठिकानों पर दी दबिश, रेत माफियाओं में मचा हड़कंप

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

धौलपुर। धौलपुर जिले में बीते 2 दिन से पुलिस ने बजरी माफियाओं पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। जिला पुलिस अधीक्षक सुमित मेहरड़ा के निर्देशन में जहां पुलिस ने 4 अबैध बजरी से भरे ट्रेक्टर ट्रोलियो को जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया था। वहीं अबैध बजरी का परिवहन करने वालो के खिलाफ अल सुबह एसपी सुमित मेहरड़ा, सीओ सिटी मुनेश मीणा सहित कई थानो की पुलिस टीम और डीएसटी की टीम ने एक साथ दबिश दी। जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन मे पुलिस की टीम ने बजरी के गढ़ कहे जाने वाले मोरोली, बीछिया, देव का पुरा सहित

» धौलपुर ... अबैध बजरी का परिवहन करने वालों के ठिकनों पद दबिश देने जाते जिला पुलिस अधीक्षक सुमित मेहरडा व पुलिसकर्मी

कई गांव मे दबिश दी। दबिश के दौरान अबैध बजरी से भरे दो ट्रेक्टर ट्रॉली पुलिस को मिल गए जिन्हे जब्त कर लिया है। पुलिस द्वारा अबैध बजरी परिवहन करने वालो पर शिकंजा कसते ही बजरी माफियाओ मे हड़कंप मच गया। सीओ सिटी मुनेश मीणा ने बताया कि जो लोग सुप्रीम कोर्ट से प्रतिबंधित बजरी के परिवहन करने मे लिप्त है उनके खिलाफ पुलिस की ओर से पहचान कर सख्त से सख्त कार्यवाही की जाएगी।

भारतीय मानक ब्यूरो, नोएडा ब्रांच की तरफ से विद्यार्थियों हेतु एक्सपोजर विजिट का किया आयोजन

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

धौलपुर। राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय धौलपुर में भारतीय मानक ब्यूरो,नोएडा ब्रांच की तरफ से विद्यार्थियों हेतु एक एक्सपोजर विजिट का आयोजन किया गया। एक्सपोजर विजिट में स्थानीय विद्यालय की विज्ञान वर्ग की 48 छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय की प्रधानाचार्य अर्चना मिश्रा एवं उप प्रधानाचार्य बिंदु रानी ने विद्यार्थियों के एक्सपोजर विजिट के वाहन को हरी झंडी दिखाकर की। इस विजिट के तहत विद्यार्थियों को आगरा मुंबई राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 44 पर स्थित अमूल डेयरी (प्रोपराइटर मै. गरिमा मिल्क फैक्ट्री) रीको धौलपुर पर ले जाया गया। प्लांट के ऑनर एवं धौलपुर विधायक शोभा रानी कुशवाहा ने छात्राओं का तिलक लगाकर स्वागत किया। अमूल प्लांट के सीनियर मैनेजर सुमित सिंह ने बालिकाओं को प्लांट की कार्यप्रणाली एवं स्टाफ सदस्यों का परिचय दिया। उन्होंने प्लांट में दुग्ध के संग्रहण एवं वितरण की प्रक्रिया को विद्यार्थियों को गहनता से समझाया। उन्होंने बताया कि इस प्लांट की दैनिक क्षमता लगभग तीन लाख लीटर दूध प्रोसेसिंग की है, जिसमें दूध का संग्रहण बनास डेयरी, पालनपुर, गुजरात से किया जाता है। विद्यार्थी प्लांट में मिल्क चिलिंग प्रक्रिया, फ्रीज्ड ब्लास्ट रूम,टेट्रा पैक आदि शब्दों से परिचित हुए। प्लांट के फ्रीज्ड ब्लास्ट रूम का तापमान लगभग - 11.3 एष्ट था। भारतीय मानक ब्यूरो के टेक्निकल रिसोर्स पर्सन अतुल चौहान

ने ढ्ढस्ढ्ढ लेबलिंग आईएफएसएसएआई हॉलमार्किंग और मानक चिन्हों के बारे में विद्यार्थियों को विस्तार से समझाया। अमूल प्लांट के घी, दही एवं पॉली पैक सेक्शन को विद्यार्थियों ने देखा। प्लांट के क्वालिटी हेड ने विद्यार्थियों को दूध का पाश्चुरीकरण तथा स्किम्ड मिल्क प्रोसेसिंग के बारे में जानकारी दी। एडमिन ब्लॉक प्रभारी ने बताया कि अमूल के प्रोडक्ट अपनी क्वालिटी और गुणवत्ता के लिए पूरे देश में जाने जाते हैं। उन्होंने बताया कि अमूल के दही में प्रोबायोटिक गुण है क्योंकि यह पेट में लाभकारी जीवाणुओं को बढ़ावा देता है। बीआईएस एक्सपर्ट प्रियंका जिंदल ने बीआईएस केयर एप्लीकेशन के बारे में विद्यार्थियों को विस्तार से समझाया। व्याख्याता भगवान सिंह मीणा ने बीआईएस की देशभर में फैली प्रयोगशालाओं के बारे में विद्यार्थियों को जानकारी दी। अमूल प्लांट के ऑटोमेटिक पैकिंग डिवीजन को देखकर छात्राएं दंग रह गई। विद्यालय के स्टैंडर्ड क्लब प्रभारी एवं मेंटर अनुपम पाराशर ने नव चयनित विद्यार्थियों का स्टैंडर्ड क्लब में रजिस्ट्रेशन कर सदस्यता एवं शपथ दिलाई। उन्होंने विद्यार्थियों को स्टैंडर्ड क्लब की आगामी गतिविधियों के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि लाइसेंस के विवरण को हमेशा सत्यापित करना चाहिए इससे उत्पाद की प्रमाणिकता का पता चलता है। स्टैंडर्ड क्लब के लीडर के रूप में छात्राओं ने सर्वसम्मति से कक्षा 12 की छात्रा राधा रानी शर्मा को चुना। अमूल प्लांट के एक्सपोजर विजिट के बाद छात्राएं बहुत खुश नजर आईं । उन्होंने बताया कि यह उनके जीवन का बहुत ही यादगार पल था। अब तक विद्यार्थियों ने दूध के टेट्रा पैक का उपयोग किया था लेकिन अब उसके निर्माण और पैकिंग गतिविधियों को साक्षात प्लांट में जाकर देखने से उन्हें एक अलग प्रकार का अनुभव प्राप्त हुआ। विजिट के अंत में विद्यार्थियों ने अल्पाहार प्राप्त किया। इस अवसर पर राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय के सभी स्टाफ साथी उपस्थित थे। उन्होंने बताया कि यह एक्सपोजर विजिट विद्यार्थियों के लिए ज्ञानदायक और आनंददायक रही।

बाड़ी : शहर के बाजार में ट्रैफिक पुलिस की कार्रवाई के दौरान हंगामा

बाइक से बच्चे को दिखाने आई महिलाएं उलझी ट्रैफिक पुलिस से

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बाड़ी। शहर के व्यस्त बाजार में शनिवार को ट्रैफिक पुलिस द्वारा दिन में कार्रवाई की गई। यह कार्रवाई शहर के सामान्य अस्पताल से शुरू हुई जो अग्रवाल धर्मशाला, सीताराम बाजार होते हुए मदरसा चौराहे पर पहुंची। इस दौरान बसेड़ी से बाइक पर बच्चों को दिखाने आए एक युवक की बाइक को जब ट्रैफिक पुलिस ने रोका और उससे कागजात मांगे तो कागजात नहीं होने पर बाइक चालक युवक ने अपनी मजबूरी बताई। इस पर पुलिस ने मोबाइल पर कागज मंगाने की बात कही। इस दौरान जब ट्रैफिक पुलिस और युवक के बीच कागजों को लेकर बहस हो रही थी तो युवक के साथ आई महिलाएं अपने छोटे बच्चों को गोदी में लेकर आ गई और ट्रैफिक पुलिस से उलझ गई। इस दौरान ट्रैफिक इंचार्ज रामवकील सिंह और ट्रैफिक जवानों ने दोनों महिलाओं को समझाने का प्रयास किया लेकिन उन्होंने उनकी किसी की एक नहीं सुनी। इस पर ट्रैफिक इंचार्ज ने बाइक को जप्त कर पुलिस चौकी पहुंचा दिया। इस पर महिलाओं ने हंगामा खड़ा कर दिया और ट्रैफिक पुलिस पर परेशान करने

» बाड़ी ... बीच बाजार में बच्चो को गोद में लिए खड़ी महिलायें

की आरोप लगाए। बसेड़ी के झील गांव निवासी दिनेश कुशवाहा ने बताया कि वह अपने बड़े भाई मनोज कुशवाहा की बाइक को लेकर अपने छह महीने के बच्चे को दिखाने अपनी पत्नी भूरो के साथ बाड़ी आया था।

सके साथ उसके रिश्तेदार बाड़ी निवासी बनवारी कुशवाहा की पत्नी नीतू थी। आयुर्वेद अस्पताल में दिखाने के बाद वह दवाई लेने चौराहे पर आया था। इस दौरान ट्रैफिक पुलिस ने उसे रोक लिया। उसने बताया कि बाइक उसके बड़े भाई मनोज कुशवाहा की है। कागज बसेड़ी है लेकिन पुलिस वाले नहीं माने। महिलाओं भूरो और नीतू के आने के बाद भी काफी मिन्नत की। ट्रैफिक पुलिस ने उनकी बाइक को जबरदस्ती उनसे छीन लिया और चौकी पहुंचा दिया। ऐसे में छोटे बच्चों को लेकर महिलाएं बीच बाजार चिल्लाती रही। उनको कई किलोमीटर पैदल जाना पड़ा। ट्रैफिक पुलिस की यह कार्रवाही ठीक नही है। पुलिस के उच्च अधिकारी कई बार महिलाओं के साथ होने पर बाइक चालको को परेशान नहीं करने की बात कहते हैं। जिसका यहां कोई असर नहीं दिख रहा है।

शहर में जाम के हालात ऐसे में चलाया है अभियान

दूसरी और ट्रैफिक इंचार्ज रामवकील सिंह ने बताया की शहर में जम के हालात को देखते हुए अभियान चलाया हुआ है। युवक ने बाइक पर नंबर प्लेट नहीं लगाई थी। कागज भी घर होने की बात कही थी। जिनको मंगाने की भी कहा था। लेकिन युवक और महिलाएं पुलिस से अभद्रता कर रहे थे। ऐसे में बाइक को जप्त किया था और 2 घंटे बाद कागज आ जाने पर वापस दे दिया है।

बाड़ी : नशा मुक्ति को लेकर जागरूकता अभियान का आगाज

» बाड़ी ... शहर में नशा मुक्ति को लेकर निकाली जागरूकता रैली

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बाड़ी। शहर के गवर्नमेंट पीजी कॉलेज के वॉलिंटियर्स द्वारा नई किरण नशा मुक्ति जागरूकता अभियान का आगाज किया गया है। इस अभियान के तहत एक पखवाड़े तक शहर में अलग-अलग कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम की शुरुवात आज शहर में जागरूकता रैली के साथ कि गई। यह जागरूकता रैली शहर के किला गेट से शुरू हुई जो मुख्य बाजार होते हुए अस्पताल चौराहा और अस्पताल चौराहे से भारद्वाज मार्केट होते हुए राज राजेश्वरी केला माता मंदिर पर जाकर संपन्न हुई। रैली को हरी झंडी दिखाकर कॉलेज प्राचार्य मनोज कुमार सिंह द्वारा रवाना किया गया। नई किरण नशा मुक्ति जागरूकता अभियान कार्यक्रम के नोडल अधिकारी सहायक आचार्य केशव कुमार यादव ने बताया कि कॉलेज के 30 स्वयं सेवकों द्वारा अभियान चलाया गया है। अभियान की शुरुआत आज जागरूकता रैली से की है। रैली के बाद अब सोमवार से यह स्वयंसेवक शहर के निजी और सरकारी स्कूलों में जाकर छोटे बच्चों को नशे को लेकर जागरूक करेंगे साथ में नुक्कड़ नाटकों और सार्वजनिक स्थानों पर भी कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। पूरा अभियान 15 दिन तक चलेगा। जिसका उद्देश्य है कि लोग नशे के प्रति जागरूक हो और अकाल मौत के शिकार होने से बचें। क्योंकि नशे की लत लगने से कई प्रकार के रोग फैलते हैं जिनमें कैंसर जैसी लाइलाज और असाध्य बीमारी भी शामिल है। जिसमें हजारों की संख्या में लोग प्रतिवर्ष मौत का शिकार हो रहे हैं। जागरूकता रैली के दौरान शहर के स्वयंसेवी संस्थाओं के पदाधिकारी और ट्रैफिक पुलिस के जवान भी मौजूद रहे।

पूर्व विधायक बीएल कुशवाह ने राउमावि जमालपुर का निरीक्षण किया

नई ड्रेस व स्वेटर वितरित करने एवं बैठने के लिए फर्नीचर कुर्सी टेबल देने की घोषणा की

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

धौलपुर। जेल से बाहर आने के बाद शनिवार को पूर्व विधायक बीएल कुशवाहा ने राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय जमालपुर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विधायक ने सभी शिक्षकों को छात्र छात्राओं की अच्छी शिक्षा के लिए निर्देशित किया व साथ ही विधायक ने विद्यालय के सभी छात्रों के लिए नई ड्रेस और स्वेटर वितरित करने एवं छात्र छात्राओं के बैठने के लिए फर्नीचर कुर्सी टेबल देने की घोषणा की।

उल्लेखनीय है कि पूर्व विधायक बीएल कुशवाहा जेल से बाहर आए हुए थे इसके तुरंत बाद ही अपने जन्मस्थान गांव जमालपुर में पहुंचकर ग्रामीणों से मुलाक़ात की।

अपहरण का दो महीने से फरार आरोपी पकड़ा

बाड़ी। शहर की कोतवाली थाना पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए दो महीने से फरार चल रहे अपहरण के मामले में लिप्त आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्त में आए आरोपी से अब पुलिस मामले को लेकर पूछताछ कर रही है। कोतवाली थाना अधिकारी शिवलहरी मीणा ने बताया कि सदर थाना क्षेत्र से करीब 2 महीने पहले एक युवती का अपहरण हुआ था। अपहरण की घटना को लेकर पीड़ित युवती के परिजनों ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसकी जांच उन्हें सौंपी गई थी। ऐसे में अपहृत युवती को पुलिस ने मोबाइल लोकेशन एवं साइबर तकनीक के आधार पर दिल्ली के पास से दस्तयाब कर लिया। जिसको ले जाने वाले मुख्य आरोपी को भी पुलिस पूर्व में गिरफ्तार कर चुकी है। वर्तमान में पुलिस को अपहरण के मामले में सहयोग करने वाले आरोपी बाइक चालक रूपसिंह उर्फ टाइगर की तलाश थी। जो उसको गांव से बहला-फुसलाकर लाया था। बाद में आरोपी को सौप दिया।

इमानुअल स्कूल में खेल - कूद प्रतियोगिता सम्पन्न

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

धौलपुर। इमानुअल सीनियर सैकण्डरी स्कूल बालाजी नगर जेल रोड धौलपुर में आज खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारभ माँ शारदे की पूजा अर्चना के साथ हुआ। खेलकूद प्रतियोगिता में विद्यालय के अधिकांश छात्र-छात्राओं ने वढ़ चढ़ कर भाग लिया। प्रतियोगिता में स्लो साइकिल, लेमन स्पून रेस, बुक बलेसिंग और म्यूजिकल चेयर आदि प्रतियोगिता का आयोजन किया गया विद्यालय के संस्था प्रधान जॉन थॉमस ने छात्र-छात्राओं को अध्ययन के साथ साथ शारीरिक विकास हेतु खेलकूद प्रतियोगिताकों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय के शारीरिक

» धौलपुर ... स्कूल में हुई स्लो साईकिल प्रतियोगिता

शिक्षा प्रभारी ज्ञानेश्वर सिंह के नेतृत्व में प्रतियोगीता का आयोजन किया गया। खेल कूद प्रतियोगिता की समाप्ति पर विद्यालय के निदेशक जॉन थॉमस, विद्यालय सचिव श्रीमान अमित गर्ग एवं जेम्स केएस0 ने समस्त स्टाफ का आभार व्यक्त किया। इस खेलकूद प्रतियोगिता के निर्णायक छाया मैडम, अंजना पैंगोरिया, नीलम गुप्ता, जोली मैडम, कल्पना शर्मा, श्वेता गोस्वामी, ज्ञानेश्वर सिंह, हेमलता शर्मा, लकी गुप्ता, अरविंद चौहान, प्रभारी योगेश शर्मा सहित विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर इस प्रतियोगिता में भाग लिया।

बसेड़ी : मैजिक बस इंडिया फाउंडेशन ने कराया बाल संसद चुनाव

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बसेड़ी। निधरा विद्यालय में मैजिक बस इंडिया फाउंडेशन ने कराया बाल संसद चुनाव। शनिवार को रा. उ.मा. वि. निधारा बसेड़ी में मैजिक बस इंडिया फाउंडेशन एवं द हंस प्रोजेक्ट के तत्वाधान में बाल कैबिनेट का गठन किया गया। बैठक की प्रक्रिया को प्रार्थना स्थल के दौरान प्रिंसिपल इमरत लाल मीणा जी व शारीरिक अध्यापक रविन्द्र सर जी ने बच्चों के साथ में साझा की गई। प्रधानमंत्री पद के 5 उम्मीदवारों ने नामांकन दर्ज किया। चुनाव समिति ने गुप्त मतदान करवाया गया एवं फिर इसके बाद में मतदान समापन के बाद मतों की गिनती की गई। सबसे ज्यादा मत

मंजीत प्रधानमंत्री, एवं दूसरे स्थान पर सविता गुर्जर खेल मंत्री , निमकेश शिक्षा मंत्री, खुशीराम पर्यावरण मंत्री, मोहिनी शर्मा

स्वास्थ्य मंत्री, मंत्रीमंडल ने पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। अध्यापकों के द्वारा सभी को फूल माला पहनाकर सम्मानित किया गया जिसमें हरिभान, शारिक अली, सुषमा शर्मा, आदि थे। मैजिक बस इंडिया फाउंडेशन से जीवन कौशल शिक्षक अनीश खान, अकेडमी एजुकेटर कृष्ण कुमार शर्मा

पेंशनर समाज जिला कार्यकारिणी की बैठक संपन्न

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

धौलपुर। पेंशनर समाज धौलपुर जिला कार्यकारिणी की बैठक विवेकानंद उच्च माध्यमिक विद्यालय के सभागार में पेंशनर समाज के जिला अध्यक्ष दिसंबर दयाल शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। जिसमें रामनारायण बंसल विशेष अतिथि के रूप में मौजूद रहे। मीडिया प्रभारी सुरेश गोस्वामी ने बताया कि बैठक में कार्यकारिणी सदस्यों ने पेंशनरों के हित में अनेक निर्णय लिए जिसमें पेंशन समाज के संगठन में 250 सदस्यता शुल्क लेकर सदस्य संख्या अधिक से अधिक बढ़ाना, 8 दिसंबर को जयपुर में आयोजित प्रदेश स्तरीय सम्मेलन में अधिक से अधिक भाग लेने के लिए पेंशनरों को प्रेरित करना, राज्य सरकार द्वारा पेंशनर्स जीवित प्रमाण पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 31 जनवरी कर दी गई है। इसकी सूचना अधिक से अधिक प्रसारित करना जिससे शेष रहे पेंशनर्स अपना जीवित प्रमाण पत्र जमा कर सकें, 80 वर्ष से ऊपर हो चुके सभी पेंशनरों का जिला स्तर पर सम्मान समारोह आयोजित करना, जिला स्तर पर धौलपुर में पेंशनर्स भवन बनाने के लिए भूमि आवंटन हेतु जिला कलेक्टर महोदय को आवेदन देना, भूमि

आवंटन होने एवं भवन बनने तक किसी भी सरकारी भवन में से एक कमरा उपलब्ध करवाने के लिए जिला प्रशासन से निवेदन करना, राजस्थान सरकार द्वारा जो मेडिकल सुविधा व दवाएं राज्य कर्मचारियों को दी जा रही हैं वह सभी दवा पेंशनरों को दिलाई जावे इसके लिए राज्य सरकार को पत्र लिखने का निर्णय लिया, तथा जिला पेंशनर्स समाज संगठन के बैंक खाते से लेनदेन हेतु नए पदाधिकारियो के नाम सम्मिलित कर बैंक खाते में बदलाव किया जाने का निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया। बैठक में प्रभाकर दीक्षित ,अनवर अहमद ,रामसेवक गोड, शहजाद खान, मुकेश सूतैल, सुरेश गोस्वामी, रामवीर सिंह सिकरवार, गोविंद सक्सेना, मनमोहन झा, आदि लोग मौजूद रहे।

अभिभावकों तथा एसडीएमसी के सदस्यों ने विद्यालय की व्यवस्थाओ को देखा

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बाड़ी। पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बाड़ी में स्थानीय निवासी एवं अभिभावक अभिषेक यादव (युवा कोंग्रेस नेता) एवं एसडीएमसी के सदस्य वार्ड मेंबर आकाश ने विद्यालय की व्यवस्थाओं को देखा। पुस्तकालय,प्रयोगशाला और कंप्यूटर कक्ष को देखकर खुशी व्यक्ति की। वार्ड मेंबर आकाश ने रसायन विज्ञान प्रयोगशाला में स्वयं एक छोटा सा प्रयोग करके देखा। यह विद्यालय परीक्षा परिणाम और नामांकन की दृष्टि से श्रेष्ठ है। इस विद्यालय में वर्तमान सत्र में 2450 विद्यार्थी अध्ययन करते हैं। विद्यालय

में कला, विज्ञान, कृषि विज्ञान, ड्राइंग, होम साइंस, कॉमर्स सभी विषय संचालित हैं। व्यावसायिक शिक्षा के अंतर्गत रिटेल और सिक्योरिटी विषय संचालित हैं। विद्यार्थी नियमित रूप से प्रयोगशाला में प्रयोग करते हैं तथा पुस्तकालय में भी जाते हैं। इस मौके पर युवा कांग्रेस नेता अभिषेक यादव, वार्ड पार्षद आकाश यादव, प्राचार्य हरिओम सिकरवार, सुनील जाट, हिमांशु यादव आदि मौजूद रहे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक - चन्द्रप्रकाश शिवहरे के लिए आकाशदीप प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स, सेक्टर 11 अग्रवाल फार्म, जयपुर (राज.) राजस्थान से मुद्रित एवं जी-१, गंगासागर अपार्टमेंट, बी-192, गंगासागर कॉलोनी, आम्रपाली मेन रोड, वैशाली नगर जयपुर (राज.) से प्रकाशित आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2013/48948
प्रधान सम्पादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे मोबा. 9425126060 । स्थानीय संपादक गौतम गोस्वामी मोबा. 9772455444, प्रबंध संपादक बेनी प्रकाश खीरानिया मोबा. 9549977995 : पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए स्थानीय सम्पादक जिम्मेवार। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर न्यायालय होगा।